mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-103 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
16 अप्रैल 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

ऋषभ के बिश्नोई...
@ पेज 7

अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 14 अप्रैल (सोमवार) की रात राम जन्मभूमि ट्रस्ट को एक ई-मेल आया था। इसमें लिखा है- बढ़ा लो मंदिर की सुरक्षा। ट्रस्ट के अकाउंट अफसर महेश कुमार ने मंगलवार को पुलिस की साइबर सेल में केस दर्ज कराया है। धमकी मिलने के बाद जन्मभूमि परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की गश्त बढ़ा दी गई है। इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली को एक्टिव किया गया है। पुलिस ने मंदिर के पास सर्च ऑपरेशन चलाया। वहीं, बाराबंकी, चंदौली और अलीगढ़ समेत कई जिलों के जिलाधिकारियों को भी धमकी भरा ई-मेल आया है। इसमें डीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये सभी मेल तमिलनाडु से भेजे गए हैं।

संदिग्ध ई-मेल की सूचना मिलते ही तमिलनाडु की साइबर सेल को भी अलर्ट कर दिया गया है। जिससे ई-मेल भेजे जाने की सटीक लोकेशन और इसके पीछे मौजूद शातिर की पहचान की जा सके। बता दें कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से कई बार धमकी मिल चुकी है। खालिस्तानी आतंकी पन्नू भी कई बार धमकी दे चुका है।

मुर्शिदाबाद हिंसा में बाप-बेटे की हत्या के आरोपी अरेस्ट

मुर्शिदाबाद। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 10-12 अप्रैल के बीच हुई हिंसा में पिता-पुत्र की हत्या करने वाले 2 आरोपी पकड़ लिए गए हैं। एक आरोपी बीरभूम और दूसरा बांग्लादेश बॉर्डर से पकड़ा गया है। इनके नाम कालू नदाब और दिलदार नदाब हैं। इन दोनों ने हरगोबिंद दास और चंदन दास की हत्या की थी। इधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंसा से जुड़ी शुरुआती जांच रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंप दी गई है। इसमें बांग्लादेश से घुसपैठ और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही का जिक्र है।

वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। गाड़ियां जलाईं, दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को फिर दी हिदायत

उत्तर प्रदेश। सुप्रीम कोर्ट ने 20 दिन में दूसरी बार इलाहाबाद हाईकोर्ट को हिदायत दी कि उसे किसी भी केस में विवादित टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को रेप के आरोपी को जमानत देते वक्त कहा था, पीड़ित लड़की ने खुद मुसीबत बुलाई, रेप के लिए वही जिम्मेदार है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट की 19 मार्च को की गई एक और टिप्पणी स्तन दबाना और पायजामे की डोरी तोड़ना रेप की कोशिश नहीं मानी जा सकती पर सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की 10 अप्रैल की टिप्पणी का जिक्र किया।

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा -मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा। वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करवा दिया है। रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा। सरकार की ओर से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर तलाशने के लिए औद्योगिक निवेश के लिए संभागीय स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगपतियों के साथ अनुबंध किए गये हैं। भोपाल में 9वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गयी। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदेश में उद्योगों को बढावा देने और रोजगार के अवसर तलाशने के कार्य किए गए हैं। प्रदेश में रोजगारमूलक उद्यम स्थापित करने वाले उद्योगपतियों को जमीन आवंटन, विद्युत बिल में छूट देते हुए 70 प्रतिशत तक सरकार द्वारा सबसिडी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के हित में करेंगे काम, और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा। वस्त्र उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए प्रति माह अनुग्रह राशि देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर भाई-बहन काम की तलाश में गुजरात राज्य की सूरत स्थित हीरा फैक्ट्री में कार्य पर जाते हैं

मौसम विभाग ने जारी किया मानसून अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि 2025 में 105त्न यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। यानी मानसून सीजन में कुल इतनी बारिश होनी चाहिए।

नेशनल हेराल्ड केस, ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय सोनिया, राहुल और पित्रोदा पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप; 25 अप्रैल को सुनवाई ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी।

कोर्ट ने सोनिया, राहुल और पित्रोदा पर मनी

लॉन्ड्रिंग के आरोप; 25 अप्रैल को सुनवाई से मामले की केस डायरी भी मांगी है। इस मामले की शिकायत भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ की थी। सोनिया, राहुल और पित्रोदा पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप; 25 अप्रैल को सुनवाई की चार्जशीट पर कांग्रेस मीडिया सेल के हेड जयराम रमेश ने कहा कि नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना कानून के शासन की आड़ में राज्य प्रायोजित अपराध है।

योगी बोले- वक्फ की जमीनों पर मकान बनवाएंगे

हरदोई। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा- वक्फ की जमीनें वापस ली जाएंगी। इन पर अस्पताल, गरीबों के लिए मकान, स्कूल, विश्वविद्यालय बनेंगे। निवेश के लिए लैंड बैंक तैयार होगा। वक्फ कानून के विरोध में बंगाल में हो रही हिंसा पर सीएम ने हरदोई में कहा- लातों के भूत बातों से नहीं मानते हैं। दंगाई डंडे से ही मानेंगे। जिसे बांग्लादेश पसंद है, वह बांग्लादेश चला जाए। उन्होंने कहा- बंगाल जल रहा है, लेकिन वहां की मुख्यमंत्री के साथ-साथ सपा और कांग्रेस भी चुप हैं। ममता बनर्जी दंगाइयों को शांतिदूत

कहती हैं और सेक्युलरिज्म के नाम पर उन्हें खुली छूट दे दी है। इस तरह की अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। वहां की कोर्ट को धन्यवाद दूंगा, जिसने वहां के अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया है।

गुरुग्राम जमीन घोटाला, रॉबर्ट वाड्रा से 6 घंटे पूछताछ

गुरुग्राम। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा मंगलवार को पैदल ही प्रवर्तन निदेशालय के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में 6 घंटे पूछताछ हुई। उन्हें ईडी ने कल फिर बुलाया है। ईडी ने जमीन सौदे से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच में पूछताछ के लिए उन्हें ये दूसरा समन भेजा था। वाड्रा इससे पहले 8 अप्रैल को भेजे गए पहले समन पर पेश नहीं हुए थे। ईडी ऑफिस जाते हुए वाड्रा

ने कहा कि ये कार्रवाई राजनैतिक मंशा से हो रही है। उन्होंने आगे कहा, जब भी मैं लोगों की आवाज बुलंद करूंगा, या राजनीति में आने की कोशिश करूंगा, ये लोग मुझे दबाएंगे और एजेंसियों का दुरुपयोग करेंगे। मैं हमेशा सभी सवालों के जवाब देता हूं और देता रहूंगा। केस में कुछ है ही नहीं। 20 बार गया हूं, 15-15 घंटे बैठा हूं। मैंने 23 हजार डॉक्यूमेंट दिए हैं, फिर कहते हैं दोबारा डॉक्यूमेंट दो, ऐसे थोड़ी चलता है।

इस केस में वाड्रा के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी आरोपी हैं।

अमरनाथ यात्रा- रजिस्ट्रेशन आज से शुरू

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा-2025 के लिए रजिस्ट्रेशन आज (15 अप्रैल) से शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस 220 रुपए रखी गई है। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 600 से ज्यादा बैंकों में किया जा सकता है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त (रक्षाबंधन) तक (39 दिन) चलेगी। यात्रा दो रूट- पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) से होगी। लगभग 6 लाख श्रद्धालु यात्रा पर आ सकते हैं। 5 मार्च को श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (स्र्स्क्च) की 48वीं बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यात्रा की तारीखों की घोषणा की थी।

बैठक में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बेहतर करने के कई प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

श्राइन बोर्ड ने ईकेवॉयसी, आरएफआईडी कार्ड, ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने का निर्णय लिया है, ताकि यात्रा अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित हो सके।

सुप्रीम कोर्ट बोला- हॉस्पिटल से बच्चा चोरी हुआ तो लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नवजात शिशु तस्करी के एक मामले में यूपी सरकार फटकार लगाई और राज्यों के लिए कुछ जरूरी नियम जारी किए। कोर्ट ने कहा- अगर किसी हॉस्पिटल से नवजात की तस्करी होती है तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द किया जाए। डिलीवरी के बाद बच्चा गायब होता है तो हॉस्पिटल की जवाबदेही

होगी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा- देशभर के सभी हाईकोर्ट अपने राज्यों में बच्चों की तस्करी से जुड़े लंबित मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट मंगवाएं। सभी की सुनवाई छह महीने के भीतर पूरी करें। केस में हर दिन सुनवाई होनी चाहिए।सुप्रीम कोर्ट नवजात तस्करी के उस मामले की सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश के एक दंपती ने 4 लाख रुपए में तस्करी किया गया बच्चा खरीदा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक फ्लाइट्स टर्मिनल-1 से उड़ान भरेंगी

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डोमेस्टिक फ्लाइट्स के संचालन में बदलाव किया गया है। आज (15 अप्रैल) से इंडिगो और अकासा की फ्लाइट्स टर्मिनल-1) से संचालित होंगी। अभी तक दोनों एयरलाइंस टर्मिनल-2 से फ्लाइट्स संचालित कर रही थीं। टर्मिनल 2 को कन्स्ट्रक्शन के लिए बंद किया गया है। इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को टर्मिनल बदलाव की जानकारी देने के लिए एसएमएस, कॉल और ईमेल के जरिए संपर्क किया जा रहा है। यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले पीएनआर नंबर की जांच वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर करने का सुझाव दिया गया है, ताकि उन्हें सही टर्मिनल की जानकारी मिल सके। वहीं, अकासा एयर ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है कि 15 अप्रैल से उसकी सभी उड़ानें टर्मिनल-1डी से चलेंगी। एयरलाइन ने कहा कि उनकी टीमें यह सुनिश्चित करने में लगी हैं कि यह बदलाव यात्रियों के लिए सुगम और परेशानी मुक्त हो।

तमिलनाडु सरकार अपने अधिकार बढ़ाने के लिए बिल लाएगी

चैन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य के अधिकारों को बढ़ाने के लिए मंगलवार को एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस कुरियन जोसेफ करेंगे। इस समिति को उन मामलो को फिर से स्टेट लिस्ट में लाने की सिफारिश करने का भी काम सौंपा है, जो पहले राज्य सरकार देखती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य सरकार दोनों के अधीन है। समिति में पूर्व अधिकारी अशोक शेट्टी और एमयू नागराजन भी शामिल होंगे। इस समिति की अंतरिम रिपोर्ट जनवरी 2026 तक और अंतिम रिपोर्ट 2028 तक पेश की जानी है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि इसका मकसद तमिलनाडु सहित सभी राज्यों के अधिकारों की रक्षा करना और केंद्र सरकार के साथ

बेहतर संबंध बनाना है। तमिलनाडु डीएमके अध्यक्ष नैनार नागेंथिरन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के इस प्रस्ताव की आलोचना की है। नागेंथिरन ने कहा, मुख्यमंत्री का यह इस प्रस्ताव अलगाववादी मानसिकता को दिखता है। ष्ठरूय्व चाहती है की सारी शक्तियां उसके हाथों में रहे। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच शिक्षा जैसे मुद्दों को लेकर टकराव चल रहा है। विशेष रूप से नीट परीक्षा को लेकर।

पीओसीएसओ आरोपी को जमानत, 3 साल से जेल में था

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को दिए एक फैसले में नाबालिग से रेप के आरोप में 3 साल से जेल में बंद 22 साल के युवक को जमानत दे दी। जस्टिस मिलिंद जाधव की बेंच ने कहा कि 15 साल की नाबालिग को पता था वह क्या कर रही है, वह इसके परिणाम भी जानती थी। बेंच ने अपने आदेश में कहा- लड़की के बयान से स्पष्ट है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और शारीरिक संबंध सहमति से बने थे। लड़की ने अपनी मर्जी से अपना घर छोड़ा और युवक के साथ गई। कोर्ट ने यह भी नोटिस किया कि जब लड़की ने परिवार को फोन करके बताया कि वह उत्तर प्रदेश के एक गांव में है, तब भी उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। बेंच ने कहा कि कानून के प्रावधान कड़े होने के बावजूद, न्याय के हित में जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता, खासकर जब चार साल से मामला लंबित है और अभी तक ट्रायल शुरू नहीं हुआ है।

तेजस्वी बोले-अमित शाह नीतीश को सीएम फेस नहीं बताते

पटना। दिल्ली में आज यानी मंगलवार को बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आरजेडी और कांग्रेस की मीटिंग हुई। यह मीटिंग लगभग 45 मिनट चली। बैठक के बाद खड़गे आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी ने कहा कि, जो भी चीजें हैं, मिलकर

बैठकर तय हो जाएंगी। सीएम फेस के सवाल पर उन्होंने कहा- बातचीत से सब फाइनल होगा। आपलोग चिंता न करें। कितने सीट पर कौन चुनाव लड़ेगा इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार में हमारी सरकार बनेगी यह तय है। बैठक में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहें।

राहुल 6 दिन में दूसरी बार गुजरात पहुंचे

अहमदाबाद। राहुल गांधी मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे। वे दोपहर करीब 3 बजे अहमदाबाद कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने 41 जिला और महानगर अध्यक्ष अहमदाबाद में पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। इस मीटिंग में 5 सदस्यों की टीम बनाई गई है, जो 45 दिनों में आलाकमान को अपनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे राहुल राहुल गांधी कल अरावली जिले के मोडासा में आईएनसी के संगठन सृजन अभियान की शुरुआत करेंगे। इसका उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त बनाकर और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करके पार्टी संगठन को मजबूत करना है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने पहले गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा था कि पार्टी से उन कुछ लोगों को निकालने की जरूरत है जो भाजपा के साथ मिले हुए हैं।

अहमदाबाद में हुए पार्टी अधिवेशन में राहुल ने कहा था कि हमारी संगठन में काफी बैठकें हुईं। हम चाहते हैं कि जिला अध्यक्षों को संगठन की नींव बनाएं, शक्ति बनाएं। डिस्ट्रिक्ट कमेटी और डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट को हम पार्टी की फाउंडेशन बनाने जा रहे हैं। कांग्रेस ने 12 अप्रैल को गुजरात के 33 जिलों और 8 प्रमुख शहरों में पार्टी अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए 42 केंद्रीय और 183 प्रदेश स्तर के पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं।

कल मोडासा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने बताया कि राहुल गांधी बुधवार को अरवल्ली जिले के मोडासा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे और जिलाध्यक्ष चुनने के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत करेंगे। कांग्रेस तीन दशक से ज्यादा समय से गुजरात की सत्ता से बाहर है। राहुल का यह दौरा 8 और 9 अप्रैल को अहमदाबाद में कांग्रेस अधिवेशन के बाद हो रहा है। तब से पहले राहुल ने मार्च में राज्य का दौरा किया था।

फेक न्यूज के खिलाफ काम करेगी टीम

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में पदस्थ चार अफसरों ने गलत न्यूज को रोकना और सही न्यूज को वायरल करना सीखा। इसमें बताया गया कि मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए सही जानकारी कैसे फैलानी है, गलत सूचनाओं से कैसे निपटना है और मतदाताओं को कैसे जागरूक करना है। अब मप्र में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा फेक न्यूज के खिलाफ यह टीम काम करेगी।

सड़क किनारे 8 घंटे पति के शव के पास बैठी रही महिला

भोपाल। राजधानी से मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। सागर से मजदूरी करने भोपाल आए एक युवक की मौत हो गई। उसकी पत्नी 8 घंटे तक पति के शव के पास बैठी रही। पास में दो मासूम बच्चे बिलखते रहे और लोग निकलते रहे। किसी ने उसकी परेशानी नहीं समझी। शनिवार देर रात मामले ने तूल पकड़ा। तब सूचना पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने देर रात युवक का शव मर्चुरी में रखवा दिया है। दावा किया जा रहा है युवक की मौत एक कुत्ते के काटने से हुई है। इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट के बाद ही होगा। आसपास के लोगों ने बताया युवक की मौत शनिवार शाम 4 बजे हो गई थी। उसका शव सिंगार चोली के पास पुल के नीचे पड़ा रहा और पत्नी 8 घंटे तक पति के शव के पास बैठी रही। इस घटना का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें महिला बता रही है वह मजदूरी करने पति के साथ भोपाल आई थी। पति की मौत के बाद उसकी मदद को कोई आगे नहीं आया। देर रात पति के घर वालों को सूचना दे दी गई है। रविवार को परिजनों की मौजूदगी में शव का पीएम कराया जाएगा।

19 साल में 1 रुपए भी नहीं बढ़ी एमपी के बड़े अधिकारी की जमीन की कीमत

भोपाल। मध्यप्रदेश के अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। इसमें कई अजब गजब बातें सामने आ रहीं हैं। प्रदेश के आइएएस अफसर पवन शर्मा के पास खेती की जमीन है लेकिन इससे कुछ आय नहीं हो रही। इधर प्रदेश के एक अन्य बड़े अधिकारी की जमीन की कीमत 19 साल से जस की तस बनी हुई है। राज्य के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के पीएस ई. रमेश कुमार की प्रॉपर्टी के दाम करीब दो दशकों में एक रुपए भी नहीं बढ़े। मध्यप्रदेश कैडर के 1999 बैच के कुल दो आइएएस अधिकारी हैं। इस बैच के अफसरों की संपत्ति पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि आइएएस अधिकारी पवन शर्मा की भोपाल में खेती की जमीन है, लेकिन खेती से इन्हें आय नहीं होती। उत्तरप्रदेश के नोयडा में वर्ष 2009 में 166.95 वर्गमीटर का फ्लैट 42.20 लाख रुपए में खरीदा। पत्नी डॉ. निधि शर्मा और स्वयं के नाम संयुक्त रूप से है। रावलकोरा गांव में वर्ष 2006 में 1.20 लाख रुपए में प्लॉट खरीदा। यह पत्नी के नाम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री जे.के. जैन के निधन पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के मध्यप्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री जे. के. जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री जैन अपने सेवाकाल में कर्तव्यों के प्रतिसमर्पित रहे। उनके असामयिक निधन से प्रदेश और समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत की पुण्यात्मा को शांति और स्व. श्री जैन के शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

एमपी में 22500 करोड़ में बनेंगी 10 हजार किमी लंबी सड़कें, सरपट दौड़ेंगी कार-बाइक

भोपाल। एमपी के लोक निर्माण विभाग ने लोक निर्माण से लोक कल्याण का नारा दिया है। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश को प्रगति के पथ पर बढ़ाने के लिए विभाग ने सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक,पर्यावरण संरक्षण, लोकपथ ऐप और गुणवत्ता नियंत्रण से राज्य का बुनियादी ढांचा ही बदल दिया है। प्रदेश में अधोसंरचना विकास अब केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि यह समग्र सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन का माध्यम बन चुका है। लोक निर्माण विभाग का नेटवर्क प्रदेश के गांवों, शहरों, कृषि क्षेत्रों और औद्योगिक केंद्रों को एकसूत्र में पिरोने का काम कर रहा है। हाल ये है कि प्रदेश में अभी 10 हजार किमी लंबाई की सड़कों के निर्माण का काम चल रहा है। जल्द ही इन चिकनी सपाट सड़कों पर कार बाइक फर्राटा मारते नजर

आएंगी। राज्य में पिछड़े अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छह प्रमुख परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं। नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस वे, मालवा-निमाड़ कॉरिडोर, अटल प्रगति पथ, बुंदेलखंड और मध्य भारत विकास पथ की निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसके साथ ही इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण के काम प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार पिछले 14 महीनों के दौरान 5500 किमी लंबी सड़कों का निर्माण किया या इन्हें मजबूत बनाया गया। लोक निर्माण विभाग ने इसमें कुल 6400 करोड़ रुपए खर्च किए। 345 करोड़ रुपए की लागत से 1500 किमी सड़कों का डामरीकरण किया। कुल 10000 किमी लंबी सड़कें बनाई जा रही प्रदेश के पीडब्लूडी अधिकारी बताते हैं कि राज्य में कुल 110 पुलों और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। इनके निर्माण में 2,000 करोड़ रुपए खर्च किए गए। खास बात यह है कि प्रदेश में वर्तमान में 22500 करोड़ रुपए की लागत से सड़क निर्माण का काम चल रहा है। इससे कुल 10000 किमी लंबी सड़कें बनाई जा रही हैं। इतना ही नहीं, 10463 करोड़ की लागत के 474 पुलों और फ्लाई ओवरों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

150 साल बाद बाग प्रिंट में लौटी 'नील' की रौनक

भोपाल। भोपाल के गौहर महल में 11 से 20 अप्रैल तक चल रहे बाग महोत्सव में खूबसूरत इनोवेशंस देखने को मिल रहे हैं। प्राकृतिक रंगों से किए जाने वाले बाग प्रिंट में इस बार दो नए रंग जुड़ गए हैं। पहला है अकाव का रंग, जो लोहे में जमी जंग पर हरड़ के उपचार से तैयार किया जाता है। दूसरा रंग है नील (इंडिगो), जो नील की पत्तियों के फरमेंटेशन और गुड़ व चूने के विशेष प्रभाव से तैयार किया गया है। इंडिगो रंग बनाने की यह प्रक्रिया बहुत प्राचीन है, जिसे हुनरमंद कारीगर उमर फारूक खत्री ने फिर से जीवित किया है। उमर के परदादा, बाग प्रिंट के जनक अली, लगभग 150 साल पहले बाग प्रिंट के कपड़ों में नील की पत्तियों से बने नीले रंग का उपयोग करते थे। कहा जाता था कि यह उस समय लोगों को इतना अधिक पसंद

आता था कि वह बाजार में वह सबसे आखिर में आते थे और सबसे पहले बेचकर चले जाते थे। फिर धीरे धीरे लाल और काला रंग लोग पहनने लगे, तो इसका चलन कम हो गया। अब एक बार फिर बाजार में इंडिगो पौधे की पत्ती से बने कलर के बाग प्रिंट कपड़ा मिल रहा है। मास्टर क्राफ्टमैन उमर ने बताया- बाग प्रिंट में इंडिगो रंग के इस्तेमाल पर मैं 2016 से काम कर रहा हूं। कई बार गलतियां हुईं। पिछले साल तक भी इस रंग में वैसा शेड और टोन पाना मुश्किल था। मगर, अब सफलता मिल गई है। इंडिगो प्राकृतिक कलर है। इसका पौधे की पत्ती को पानी में गला देते हैं। उसमें बाद में नील का रंग आ जाता है। उसकी प्रोसेस के लिए उसमें चूना डालना पड़ता है। फिर वह चूने के साथ पकता है।

तब जाकर उससे डाई करते हैं। पत्ती भिगोने से लेकर तैयार करने में करीब 1 महीने का समय लता है। कपड़े को डाई करके सुखाया जाता है। वह धीरे धीरे नीला हो जाता है।

भारत के उत्कर्ष व नव जागरण का अभियान है विक्रमोत्सव

भोपाल। दिल्ली में लाल किला स्थित माधव दास पार्क में तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का सोमवार को समापन हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विक्रमोत्सव भारत के उत्कर्ष और नव जागरण का ऐसा अभियान है, जो अब नहीं रुकेगा।

विक्रमोत्सव ने भारत की सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक गौरव और राष्ट्रीय पुनर्जागरण के अभियान ने एक नई ऊर्जा और उत्साह के साथ जनमानस में स्थान बनाया है। मध्यप्रदेश में विरासत से विकास की थीम पर तमाम नए काम शुरू किए गए हैं। डॉ. यादव ने बताया कि इस महानाट्य की प्रस्तुतियां

उज्जैन से निकलकर इंदौर, भोपाल, हैदराबाद, प्रयागराज, अयोध्या में भी हो चुकी हैं। दिल्ली में सोमवार मंचन को देखने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, स्वामी अचलानंद, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत मप्र के कई मंत्री भी मौजूद थे।

भोपाल में कबाड़ हो चुकी सिटी बस को बनाया स्टॉप

भोपाल। भोपाल में कबाड़ हो चुकी सिटी बस को स्टॉप बनाया गया है। जिसे सोमवार को बोर्ड ऑफिस चौराहे के पास रख दिया। इसमें लोग बैठक बस का इंतजार कर सकेंगे। महापौर मालती राय ने इसका उद्घाटन किया।इस मौके पर महापौर राय ने कहा कि बीसीएलएल की पुरानी अनुपयोगी बस से बस स्टॉप का निर्माण कबाड़ से जुगाड़ की अच्छी पहल है। इस प्रकार बस स्टॉप के निर्माण से जहां एक ओर यात्रियों को सुविधा प्राप्त होगी, वहीं अनुपयोगी बसों का सद् उपयोग भी होगा। एमआईसी मेंबर रविंद्र यति, मनोज राठौर भी मौजूद थे।

अन्य जगहों पर भी रखेंगे

महापौर राय ने बस स्टॉप निर्माण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि कबाड़ से जुगाड़ की यह एक अनुकरणीय मिसाल है। शहर के अन्य स्थानों पर भी इसी प्रकार नागरिकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

108 एंबुलेंस ने जारी किया डाटा

भोपाल। शहर में सड़क हादसों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बीते एक साल में एम्स, साकेत और शक्तिनगर से सबसे ज्यादा 397 मरीज अस्पताल पहुंचे। इस साल अब तक कुल 5869 एक्सीडेंट केस अस्पताल लाए गए। यानी हर महीने औसतन 489 लोग सड़क हादसों का शिकार हो रहे हैं। 108 एंबुलेंस सेवा की सर्वे रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि बीते तीन साल में हादसों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2022-23 में 5115 कॉल दर्ज हुईं। 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 5390 हो गई।

हर साल करीब 750 नई इमरजेंसी कॉल्स जुड़ रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि गंभीर चोट और इलाज में देरी के कारण 3त्न लोगों की जान चली जाती है। कई लोग अपंग हो जाते हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ग्रामीण क्षेत्रों जैसे रातीबड़ और नजीराबाद से कम कॉल्स आती हैं। या तो यहां इमरजेंसी कम होती है या फिर कॉलिंग सुविधा और जागरूकता की कमी है। जेपी अस्पताल के पास सबसे ज्यादा 450 कॉल्स दर्ज हुईं। यहां जिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर होने के कारण रेफर केस ज्यादा आते हैं। इसी तरह हमीदिया अस्पताल के आसपास ओल्ड भोपाल से 113 कॉल्स दर्ज हुईं।

गोंड चित्रकला को दुनियाभर में पहुंचाने वाले जनगढ़ की याद में अब संग्रहालय

भोपाल। जनगढ़ सिंह श्याम... एक ऐसे कलाकार, जिन्होंने गोंड चित्रकला को आदिवासियों की झोपड़ी से निकालकर विदेशों के संग्रहालयों तक पहुंचा दिया। आदिवासी परंपराओं को साकार करने वाले उनके चित्रों ने ऐसी ख्याति अर्जित की कि आज इसे जनगढ़ शैली ही कहा जाने लगा है। अब इसी महान कलाकार की स्मृति में डिंडोरी जिले के पाटनगढ़ में गोंड कलाकारों के लिए अनोखा संग्रहालय बनाया जा रहा है। दरअसल, वे यहीं के रहने वाले थे। ये प्रदेश का इकलौता संग्रहालय है, जो किसी कलाकार की स्मृतियों पर बनाया जा रहा है। संग्रहालय की लागत 10 करोड़ रु. होगी। जनजातीय संग्रहालय के क्यूरेटर अशोक मिश्रा ने बताया कि गोंड व

बैगा कलाकार ही इसे बना रहे हैं।

माना जाता है कि जनगढ़ सिंह श्याम ने गोंड चित्रकला को नए आयाम दिए। 80 के दशक में वे कागजी चित्रों और भित्तिचित्रों को अपने इलाके से बाहर लेकर गए और देश-दुनिया में पहुंचाया। आज इन्हीं की विरासत को प्रदेश के करीब 250 कलाकार आगे बढ़ा रहे हैं।

जनगण के बेटे मयंक श्याम ने बताया कि मेरे पिता ने पशु-पक्षियों के साथ-साथ अपने देवी देवताओं की एक लंबी सीरीज बनाई है। उनके पारंपरिक देव, जो अब तक अमूर्त या प्रतीक रूप में पूजे जाते थे। जनगण की कल्पनाओं ने उन्हें रंग-बिरंगे चित्रों में ढाल दिया।

पद्मश्री से सम्मानित गोंड कलाकार भज्जू श्याम ने बताया कि मैं 2000 में गांव से भोपाल आया। तीन महीने बाद काम छूट गया। जनगढ़ श्याम के घर पर ही रहता था। वे एक दिन किराया लेने आए तो पूछा कि क्या कर रहे हो। मैंने कहा, कुछ नहीं। उन्होंने कहा, मेरे पास आ जाओ, पेंटिंग सिखा दूंगा। ऐसे उनसे सीखने का अवसर मिला।

आज मेरी पेंटिंग्स हॉन्गकॉन्ग, जर्मनी, सिंगापुर, लंदन और फ्रांस के अलावा कई देशों में प्रदर्शित हो चुकी हैं। दुर्गा बाई व्याम ने बताया, 1996 में भोपाल आई थी। यहां घरों में काम किया। बाद में जनगढ़ श्याम से पेंटिंग सीखी। अब मेरी पेंटिंग्स जर्मनी और फ्रांस में प्रदर्शित हो चुकी है। 650 कलाकार यहां प्रशिक्षण ले सकेंगे। उनकी आवास व्यवस्था भी की जाएगी। 6एक गैलरी जनगढ़ सिंह के शिष्यों को समर्पित होगी, जहां जनगढ़ को चित्रात्मक अभिव्यक्ति दी जाएगी।

लोक निर्माण से लोक कल्याण प्रगति के पथ पर मध्यप्रदेश : हर मार्ग अब लोक कल्याण की ओर

भोपाल। मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास अब केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह समग्र सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तन का माध्यम बन चुका है।

राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा लोक निर्माण से लोक कल्याण के मूल मंत्र के साथ बुनियादी ढांचे को सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान में प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के अधीन 80,775 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क क्रियाशील है, जिसमें 9,315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 11,389 किमी राज्य राजमार्ग, 25,639 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 34,432 किमी अन्य जिला मार्ग शामिल हैं। यह नेटवर्क प्रदेश के ग्रामों, नगरों, कृषि क्षेत्रों और औद्योगिक केंद्रों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है।

विगत 14 महीनों के दौरान 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 5,500 किमी सड़कों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, 345 करोड़ रुपये से 1,500 किमी का डामरीकरण तथा 2,000 करोड़ रुपये से 110 पुलों और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। वर्तमान में 22,500 करोड़ रुपये लागत की 10,000 किमी सड़कों एवं 10,463 करोड़ रुपये से 474 पुलों और फ्लाईओवरों पर कार्य प्रगति पर है।राज्य सरकार द्वारा ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही नर्मदा प्रगतिपथ, विंध्य एक्सप्रेसवे, मालवा-निमाड़ कॉरिडोर, अटल प्रगतिपथ, बुंदेलखंड और मध्य भारत विकास पथ जैसी छह प्रमुख परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं, जो प्रदेश के पिछड़े अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगी।

प्रदेश के लगभग सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को फोर लेन में परिवर्तित करने की योजना के अंतर्गत अब तक 4,740 किमी मार्गों का फोर लेन में उन्नयन किया जा चुका है, तथा शेष 3,050 किमी पर कार्य जारी है। इस क्रम में मध्यप्रदेश शासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मध्य हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 4,010 किमी लंबाई की 22 नई सड़क परियोजनाओं हेतु ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। इसमें इंदौर-भोपाल व भोपाल-जबलपुर हाईस्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, लखनऊ-रायपुर एक्सप्रेसवे, आगरा-ग्वालियर, उज्जैन-झालावाड़, सतना-चित्रकूट और रीवा-सीधी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं।

उज्जैन सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत इंदौर-उज्जैन मार्ग का सिक्स लेन चौड़ीकरण एवं उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का कार्य प्रगति पर है, जो प्रदेश का पहला पूर्ण ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे होगा।

220 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से टेस्टिंग संभव

भोपाल। इस साल के अंत तक भोपाल और रानी कमलापति (आरकेएमपी) रेलवे स्टेशनों पर बेलास्ट-लेस ट्रैक (बिना गिट्?टी का ट्रैक) बिछाने का कार्य शुरू किया जाएगा। इस ट्रैक पर ट्रेनें 220 किमी प्रति/घंटा की रफ्तार से दौड़ सकेंगी। अभी ट्रेनों की स्पीड 130 किमी/घंटा है।

रेलवे दिल्ली-मुंबई रूट पर हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए बेलास्ट-लेस ट्रैक बिछा रहा है। भोपाल इसी रूट में है इसलिए यहां भी ट्रैक अपडेट किया जा रहा है। भोपाल मेन स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1, 2 और 3 से लेकर यार्ड तक, संत हिरदाराम नगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 और 2, और नर्मदापुरम, विदिशा व हरदा स्टेशनों के प्लेटफॉर्म 1 व 2 से यार्ड तक इस ट्रैक को बिछाने की योजना है। हाल ही में आरडीएसओ ने इस ट्रैक पर 220 किमी की स्पीड से ट्रेन चलाने की मंजूरी दी है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया के अनुसार- इन ट्रैक्स को

ज्यादा मेंटेनेंस की जरूरत नहीं होती है। ट्रैक में कंपन नहीं होता इसलिए स्पीड बढ़ती है और सफर अधिक आरामदायक होता है। ऐसे ट्रैक 50-60 साल तक टिकाऊ रहते हैं। ट्रैक में गिट्टी की जगह कंक्रीट व डामर जैसी ठोस सामग्री लगती है।

जेपी का बच्चा वार्ड फुल, ज्यादातर उल्टी-दस्त से पीड़ित

भोपाल। तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच राजधानी में फूड पॉयजनिंग के मामले तेजी से बढ़े हैं। सोमवार को अवकाश के बावजूद 3 घंटे जेपी अस्पताल की ओपीडी चालू रही। करीब 500 मरीजों का रजिस्ट्रेशन हुआ। इसमें से 100 से ज्यादा केस उल्टी, दस्त और पेट खराब होने के मामले सामने आए। अप्रैल के शुरुआती 13 दिनों में ही 300 से अधिक मरीज उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचे। जेपी अस्पताल का बच्चा वार्ड और बाल चिकित्सा गहन देखभाल इकाई (पीआईसीयू) पूरी तरह भर चुका है। सिर्फ दो बेड इमरजेंसी केस के लिए रिजर्व रखे गए हैं। अस्पताल में भर्ती ज्यादातर मासूम तेज बुखार, उल्टी-दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। जेपी अस्पताल के बच्चा वार्ड में 16 और पीआईसीयू में 10 बेड हैं। जिसमें वर्तमान में 24 बच्चे भर्ती हैं। इनमें से दो बाल रोगी निमोनिया से पीड़ित हैं। जेपी अस्पताल के एमडी मेडिसिन डॉ. योगेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि गर्म मौसम में साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टेरिया जैसे बैक्टीरिया ज्यादा तेजी से पनपते हैं, जिससे खाना जल्दी खराब होता है। इससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 103 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 103 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री की सौजन्य भेंट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अपनी दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेट की। उप मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री से ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सार्थक चर्चा की।

प्रभारी मंत्री पटेल दो दिवसीय प्रवास पर आज आएंगे रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल दो दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। प्रभारी मंत्री पटेल सतना जिले से 16 अप्रैल को शाम 6 बजे प्रस्थान कर शाम 7 बजे रीवा में विशम्भरनाथ पटेल के निवास पहुंचेंगे। प्रभारी मंत्री रात 8.15 बजे राजनिवास रीवा पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। प्रभारी मंत्री 17 अप्रैल को सुबह 7 बजे राजनिवास से प्रस्थान करेंगे तथा सुबह 8 बजे मऊगंज पहुंचकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बिछिया नदी उ–म स्थल पर पूजन, जनचर्चा एवं ग्रामसभा कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री सुबह 10.30 बजे वापस राजनिवास रीवा पहुंचेंगे तथा सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जिला योजना समिति की बैठक में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में शाम 4 बजे से 5 बजे तक आयोजित पंच-सरपंच सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद प्रभारी मंत्री शाम 5.05 बजे राजनिवास पहुंचेंगे तथा शाम 6 बजे राजनिवास से दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के लिए प्रस्थान करेंगे।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित आवेदनों का निराकरण करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्काल निराकरण करें। इस माह प्रस्तावित समाधान ऑनलाइन में स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा विभाग की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना एवं प्रसूति सहायता, गृह विभाग की एफआईआर लिखने में देरी तथा ऊर्जा विभाग की बिजली न आने एवं वोल्टेज संबंधी शिकायतों की समीक्षा की जाएगी। निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में राजस्व विभाग के खसरा ऑनलाइन अपडेट करने, नामांतरण एवं बंटवारे से संबंधित प्रकरण, ग्रामीण विकास विभाग की प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत द्वारा सामग्री क्रय एवं अन्य भुगतानों से जुड़े आवेदनों की समीक्षा की जाएगी। समाधान ऑनलाइन में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की नलजल योजनाओं से संबंधित आवेदन एवं सभी विभागों के सीएम हेल्पलाइन में सौ दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी। सभी अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। मार्च माह में दर्ज आवेदनों तथा 50 दिवस से अधिक समय से लंबित आवेदनों का तत्परता से निराकरण करें। यह सुनिश्चित करें कि कोई भी विभाग रैंकिंग में सी और डी श्रेणी में न रहे।

जिला योजना समिति की बैठक 17 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला योजना समिति की बैठक 17 अप्रैल को सुबह 11 बजे से कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित की गई है। बैठक की अध्यक्षता जिले के प्रभारी मंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल करेंगे। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जनमन सड़क योजना, पेयजल, जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

टीएल बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 16 अप्रैल को टीएल बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में सभी जिला प्रमुखों, एसडीएम, सीईओ जनपद तथा तहसीलदारों की उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं। टीएल बैठक के उपरांत कलेक्टर राजस्व अधिकारियों की बैठक लेंगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, जल गंगा संवर्धन अभियान, गेंहू उपार्जन, पेयजल व्यवस्था, बिजली की आपूर्ति, स्कूल चले हम अभियान की समीक्षा की जाएगी।

खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण द्वारा एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी। इस प्रतियोगिता के पदक विजेता प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेलवृत्ति प्रदान की जायेगी। इस संबंध में संभागीय खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि जिले के प्रतिभावान पदक विजेता खिलाड़ियों से वर्ष 2025 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति प्रदान करने के आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। खेलवृत्ति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आगामी 31 मई निर्धारित की गयी है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। खेलवृत्ति के लिए आवेदन संबंधी जानकारी संभागीय खेल और युवा कल्याण कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को 10 हजार रूपये रजक पदक विजेता खिलाड़ी को 8 हजार रूपये और कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी को 6 हजार रूपये खेलवृत्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान है। खेलवृत्ति के लिए निर्धारित दिशा निर्देश और नियमावली विभागीय वेबसाइट डीएसवाईडब्ल्यूएमपी डॉट जीओव्ही डॉट इन पर उपलब्ध है।

जिला स्तरीय नजूल समिति की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नजूल समिति की बैठक 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे से आयोजित की गई है। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में मध्यप्रदेश नजूल निवर्तन निर्देश 2020 के अन्तर्गत प्राप्त भू-आवंटन प्रकरणों में कार्यवाही की जायेगी। बैठक में समिति के सभी सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

गौवंश संरक्षण अभियान अंतर्गत उपखण्ड स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गौवंश संरक्षण अभियान अंतर्गत उपखण्ड स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व समिति के अध्यक्ष होंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सचिव सदस्य, पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी पशुपालन विभाग सह सचिव, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, अनुविभागीय अधिकारी वन विभाग, सहायक यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा, अनुभाग अधिकारीध्डी.ई. विद्युत वितरण कम्पनी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, वरिष्ठ उद्यानिकी अधिकारी एवं विकासखण्ड प्रबंधक आजीविका मिशन को समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है।

उपखण्ड स्तरीय समन्वय समिति के कार्यदायित्व : गौ-वंश संरक्षण अभियान अंतर्गत गौशाला निर्माण और संचालन की सतत् निगरानी एवं अनुश्रवण करना, अनुभाग क्षेत्र अंतर्गत निराश्रित गौवंश का चिन्हांकन कर समुचित कार्य व्यवस्था सुनिश्चित करना जिससे एक भी गौवंश की दुर्घटना घटित न हो। जिला समन्वयक समिति का रि यान्वयन एवं दिशा-निर्देश का पालन कराना। ग्राम पंचायत स्तर पर गठित समिति के कार्यों का अनुश्रवण करना तथा व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कर गौवंश संरक्षण हेत अभियान चलाकर जन जागरूकता रैली का आयोजना करना। विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर जन भागीदारी के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना। अभियान अंतर्गत प्रत्येक 15 दिवस में बैठक आयोजित कर जन समुदायक को गौवंश संरक्षण हेतु प्रेरित करना तथा जन जागरूकता रैली का आयोजन करना। ग्राम पंचायत के द्वारा ग्राम सभा के माध्यम से जारी किए गए दिशा-निर्देशों को जन समुदायक के माध्यम से पालन करना। पशु संरक्षण हेतु जन भागीदारी से विशेष पहल कर, सांसद, विधायक निधि, सीएसआर फंड, धार्मिक संगठनों तथा जन समुदायक से आर्थिक सहयोग प्राप्त कर अभियान को सफल बनाएंगे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में मनाई गई डॉक्टर अंबेडकर की जयंती

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय परिातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह के कुशल निर्देशन में दिनांक 14.04.2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि हमें भारत र% डॉ. अंबेडकर के जीवन से सीखना चाहिए, जिन्होंने समर्पण और त्याग के दम पर न केवल अपने लिए समाज में स्थान बनाया बल्कि समाज के विकास की मुख्य धारा से अलग पड़े वर्ग के हित में संविधान का निर्माण कर महान कार्य किया, जिसमें सभी वर्गों हेतु विशेष सुविधाएं प्रदान की गई। छात्र-छात्राओं को उनके बताए रास्तों पर चलना चाहिए जिससे वह अपने कैरियर के साथ-साथ समाज हित में भी कार्य कर पाए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. दिवाकर सिंह ने बाबा साहब अंबेडकर की जन्मदिवस पर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यर्‍म का कुशल संचालन डॉ. अंकिता सोनी कार्यर्‍म अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने किया। उक्त कार्यर्‍म में छात्र-छात्राओं ने हिस्सेदारी की एवं उद्बोधन से लाभान्वित हुई। उक्त अवसर पर संविधान की शपथ भी दिलाई गई।

मनाया गया अमर शहीद संत कंवरराम सहिब का जन्मोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना अमर शहीद संत कंवर राम साहिब जी का 140 वाँ जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम व हर्षोलास के साथ कंवर नगर सिन्धी कॉलोनी स्थित संत कंवरराम दरबार में साई किशोरलाल जी के सानिध्य में बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इस अवसर पर रूपेश मेहरचंदानी एवं लालवानी ने शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर सबको झूमने पर मजबूर कर दिया एवं पूरा हाल सच्चो सतराम की धुन से गूंज गया तत्पश्चात रोहित मोडिया ने सच्चो सतराम सुहड़ो कंवरराम राम चओ राम चओ सच्चो सतराम चओ के भजन की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया

भजन संध्या के पश्चात साई किशोरलाल जी दिलीप मोडिया, रोहित मोडिया मनोज वलेजा विनोद गेलानी,अशोक चांदवानी, ज्ञान खटवानी दीपक वाधवानी, संजय वाधवानी संजय आहूजा, मोहन वलेचा, इंद्रलाल कापड़ी महेश रावलानी,मनीष सदानी एवं आश्रम के सेवादारियों ने मिलकर अमर शहीद संत कंवरराम साहिब जी के जन्मोत्सव का केक काटकर उपस्थित सभी भक्तगणों को बधाइयां प्रेषित कीतत्पश्चात विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो की तादाद में भक्तगणों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर बलरामदास लालवानी कन्हैयालाल लालवानी सेवकराम खटवानी अमर लालवांनी शंकरलाल लालवानी कन्हैयालाल कामदार प्रतापराय गंधेजा परु संजय वाधवानी अमित घोघवानी सर्वत लालवानी जितेंद्र खेमचंदानी अशोक कोटवानी, सुरेश कोटवानी,एवं मातृशक्ति प्रमुख रूप उपस्थित रही।

आजीविका पुस्तकालय और आजीविका ज्ञान केन्द्र का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्यप्रदेश डे-राज्य आजीविका मिशन श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा एक नई पहल की गई है। इसी र म में मंगलवार दिनांक 15 अप्रैल 2025 से एकता समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी द्वारा ज्ञान दान अभियान श्री पुष्पेंद्र कुमार सिंह जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा अभियान की शुरुआत की गई जिसमें जिला इकाई एवं विकासखंड इकाई से समस्त जिला प्रबंधक, सहायक जिला प्रबंधक, विकासखंड प्रबंधक उपस्थित रहे।

इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें उपलब्ध कराना है। इस अभियान के तहत, लोग पुरानी और उपयोग में न आने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें दान कर सकते हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को लाभ मिल सके। कई प्रतिभाशाली छात्र अध्ययन सामग्री की कमी के कारण अपनी तैयारी पूरी नहीं कर पाते। यह एक छोटी सी पहल किसी के सपनों को नई दिशा दे सकती है।अभियान के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें (यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी), शैक्षणिक पुस्तकें (स्कूल और कॉलेज स्तर की), सामान्य ज्ञान एवं संदर्भ पुस्तके दान कर सकते हैं। आपका पुस्तक दान किसी छात्र के भविष्य को रोशन कर सकता है। आप एकता समुदाय प्रबंधित प्रशिक्षण केंद्र जिला सीधी संग्रहण केंद्र में जमा कर सकते हैं अथवा अपने गाँव में स्व-सहायता समूह, ग्राम संगठन या संकुल स्तरीय संगठन के सदस्यों को या उनके कार्यालय में अपनी पुस्तकें जमा करा सकते हैं।

प्रिज्म सीमेंट में अंतरविभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म सीमेंट, जो प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड की एक इकाई है, में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अंतरविभागीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना के साथ अपनी टीम भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं का समापन 10 अप्रैल 2025 को एक भव्य समापन समारोह के साथ हुआ।

देवेन्द्र मिश्रा एजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क ने जानकारी देते हुये बताया कि प्रतियोगिता में टीम खेलों जैसे वॉलीबॉल, रस्साकशी, क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम और टेबल टेनिस का आयोजन किया गया। वहीं, व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में शॉटपुट, डिस्कस थ्रो और स्लो साइक्लिंग, 100 मीटर व 50 मीटर रेस जैसे रोचक खेलों का भी आयोजन किया गया।

समापन समारोह में मनीष कुमार सिंह, प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आशीष कुमार हिंगर, हेड एकाउण्ट्स एवं अर्न्तयामी सामल, हेड पर्सनल एंड आईआर सहित सभी विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारीगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीष कुमार सिंह, प्रेसीडेंट एंड प्लांट हेड, ने प्रतिभागियों के जोश और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि आपसी सहयोग और सौहार्द को भी बढ़ावा देती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनीष कुमार सिन्हा, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, एचआरएम एंड कार्पोरेट अफेयर्स, ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि प्रिज्म सीमेंट में हमारा सदैव प्रयास रहा है कि कार्यस्थल केवल कार्य का स्थान न होकर, एक ऐसा मंच बने जहाँ हर कर्मचारी को आत्मविकास, स्वास्थ्य और सौहार्द का अवसर मिले। आशीष कुमार हिंगर, हेड एकाउण्ट्स ने कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ने न केवल हमारे कर्मचारियों की खेल प्रतिभा को उजागर किया है, बल्कि टीम वर्क, अनुशासन और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा दिया है। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता के विजेताओं और उपविजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी एवं प्राइज प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी विजेताओं का उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक कुमार गौतम, वेलफेयर मैनेजर एवं नीलेश्वर मिश्रा द्वारा किया गया। आयोजन में भूपेन्द्र सिंह ठाकुर, गौरव शुक्ला और सुशील कुमार का विशेष सहयोग रहा।

विचार

अब विपक्ष के बहकावे में नहीं आते देश के मुसलमान

कांग्रेस और विपक्षी दलों ने देश के मुस्लिम समुदाय को अछूत जैसा बना दिया है अर्थात इनके मामले में कानून और अदालत कोई परिवर्तन नहीं कर सकती। ऐसा करना मुसलमानों के आंतरिक मामलों में दखल देना है। ऐसा करने से मुसलमानों के धर्म पर भी आंच आती है। यह धारणा पनपी है सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के कारण। कांग्रेस और विपक्षी दलों को हमेशा यही डर सताता रहा है कि किसी तरह के कानून में परिवर्तन करने से कहीं देश के मुस्लिम मतदाता नाराज न हो जाएं। वोट बैंक के फिसलने के इस डर से मुसलमानों को डराए रखा गया। भले ही ऐसे बदलावों का फायदा मुस्लिम समुदाय को ही क्यों न हो, इसके बावजूद विपक्षी दल किसी भी तरह के संशोधन के खिलाफ रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि मुसलमानों के खैरख्वाह बनने वाले राजनीतिक दलों ने सत्ता में रहने के दौरान मुसलमानों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हों। विपक्षी दलों को मुस्लिम वोटों के डर का सबसे बड़ा उदाहरण शाहबानो का प्रकरण है। सुप्रीम कोर्ट के तीन तलाक के एवज में मुआवजा देने के निर्णय के बावजूद केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने संसद में इस कानून को ही पलट दिया। इससे तभी साफ हो गया था कि बेशक देश की मुस्लिम महिलाएं तीन तलाक का दंश झेलने के बाद अपने गुजारे-भत्ते के लिए धक्के खाएं किन्तु उन्हें कानून के तहत न्याय नहीं मिल सकता। कारण स्पष्ट है कि कांग्रेस नहीं चाहती कि पर्सनल लॉ में किसी तरह का संशोधन करके मुसलमानों को नाराज किया जाए, भले ही मुस्लिम महिलाओं के साथ अन्याय होता रहे। कांग्रेस और विपक्षी दलों की मुसलमानों के प्रति बनी पूर्वाग्रह की इस धारणा को तोड़ा है केंद्र की भाजपा सरकार ने।

केंद्र में सत्ता में आते ही भाजपा गठबंधन सरकार ने साफ कर दिया है कि कोई भी जाति, धर्म या समुदाय हो, सभी कानून के दायरे में आते हैं और इनकी भलाई के लिए कानून में संशोधन किए जा सकते हैं। इसमें यदि किसी का धर्म और रीति-रिवाज भी बीच में आते हैं, तब भी आधुनिक सोच और मानवाधिकारों के दायरे में कानून में परिवर्तन किए जाएंगे।

मोदी का नया मंत्रः देरी विकास का दुश्मन

उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शदों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है।

अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी।

देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को 'तेज और निडर भारत' के रूप में देख रही है। परियोजनाओं में देरी को विकास के दुश्मन के तौर पर प्रधानमंत्री का स्थापित करना एक तरह से राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करना है। विश्व गुरू बनने की आकांक्षा हो या आर्थिक या दूसरी तरह वैश्विक महाशक्ति बनना, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए इसी सोच को हर स्तर पर ना सिर्फ आगे बढ़ाना होगा, बल्कि उसे राष्ट्रीय प्राथमिकता के तौर पर भी विकसित किया जाना होगा।

सबको पता है कि कई बार राजनीतिक कारणों से पहले की सरकारों की लाई या उनके द्वारा शुरू या जारी की गई योजनाएं लटका दी जाती हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पक्ष भी है। कई बार नौकरशाही भी इस डिले, डिनाय और डिस्ट्राय यानी टालना, इनकार करना और खारिज करने के लिए जिम्मेदार होती है। आजादी के पचहतर साल बीतने के बावजूद नौकरशाही में यह मानसिकता बनी हुई है। अब भी तंत्र ऐसे ढेर सारे तत्व हैं, जो योजनाओं को लटकाने और टालने में भरपूर रूचि लेते हैं। एक तरह से ऐसी सोच वाला डीएनए तंत्र में फैला हुआ है। सरकारी तंत्र से जिनका रोजाना पल्ला पड़ता है, अक्सर वे भी फिनमैन जैसी ही सोच रखते हैं। आर्थिक मोर्चे पर भारत की सफलता दर अगर बढ़ी है तो उसके पीछे निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री की दृष्टि है।

चेन्नई के खराब प्रदर्शन से धोनी की फिटनेस पर उठ रहे सवाल

आईपीएल के 18वें सत्र में अब तक खेले गए मैचों में कई बातें उभर कर आई हैं। पिछले साल की तीन मजबूत टीमें चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद की हालत इस बार पतली है जबकि गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन काबिलेतारीफ है। वहीं सबसे महंगे बिके विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अपने नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं दिखा पा रहे हैं। आपको बता दें कि पंत को इस बार लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा है। पहले बात करते हैं चेन्नई की टीम की। यह टीम अपने घर में तीन मैच हार चुकी है। इस नाते महेन्द्र सिंह धोनी की फिटनेस पर सवाल उठने लगे हैं। भारत के पूर्व कप्तान धोनी जुलाई में 44 साल के हो जाएंगे। इतनी उम्र के बावजूद वह आईपीएल में खेलना जारी रखे हुए हैं। दो साल पहले उन्होंने सीएसके की कप्तानी छोड़ दी थी। युवा रुतुराज गायकवाड़ चेन्नई के नए कप्तान बनाए गए। पर, मौजूदा सत्र के बीच चोटिल होने के कारण उन्हें कप्तानी छोड़नी पड़ी। फिर से धोनी के कंधों पर नेतृत्व का भार आन पड़ा है। मगर, उनकी कप्तानी में भी चेन्नई को शुक्रवार को कोलकाता से शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा। पांच बार की चैम्पियन रही यह टीम अब तक 7 मैचों में से 5 हार चुकी है। शुरुआती एक मैच जीतने के बाद से धोनी के वर्चस्व वाली यह टीम लगातार पराजय का सामना कर रही है। धोनी की वजह से पीली जर्सी वाली चेन्नई टीम के प्रशंसक करोड़ों में हैं लेकिन अब उनमें निराशा का भाव जाग गया है। भारत के क्रिकेट इतिहास में आईपीएल की लोकप्रियता चरम पर है। हर साल गर्मियों में होने वाले इस टूर्नामेंट में देश की प्रतिष्ठा भले ही दांव पर न हो लेकिन खिलाड़ियों को मालामाल करने के लिए यह काफी है। आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग देश का एक ब्रांड बन चुका है। स्टेडियम में आने वाली भीड़ अपने चहेते खिलाड़ियों को चौके छक्के लगाते देखना चाहती है।

चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल की मजबूत टीम माना जाता है जिसने अब तक 5 बार यह खिताब जीता है। देश के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस टीम के साथ आरंभ से ही जुड़े हुए हैं। वह 43 साल के हो चुके हैं पर, अब भी खेल रहे हैं। हर बार लगता है कि यह धोनी का आखिरी साल है लेकिन उनके करोड़ों प्रशंसक उन्हें रिटायर नहीं होने दे रहे। 2025 का आईपीएल उनका आखिरी है या नहीं, यह कोई नहीं बता सकता। पर, उनके निराशाजनक प्रदर्शन से रिटायरमेंट को लेकर फिर चर्चा छिड़ गई है। बल्लेबाजी के लिए धोनी का काफी नीचे आना भी सवाल खड़े करता है। जब वह सातवें या आठवें नंबर पर आते हैं तब गेंदें कम बचती हैं। ऐसे में जीत दिलाने के लिए उनकी कोशिश

बेकार चली जाती है।सोमवार 14 अप्रैल को लखनऊ में खेला गया मैच चेन्नई ने अवश्य जीत लिया लेकिन अब भी अंक तालिका में धोनी की टीम आखिरी पायदान पर है। सात में से केवल दो मैचों में चेन्नई को जीत मिली है। ऐसे में नहीं लगता कि सीएसके चोटी की चार टीमों में पहुंच पाएगी। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान में पांच विकेट से हार गई। मेजबान टीम से ज्यादा यहां पीली जर्सी वाले प्रशंसक अधिक दिख रहे थे। इसकी एकमात्र वजह महेन्द्र सिंह धोनी हैं जिन्हें खेलते देखने के लिए दर्शक बेताब रहते हैं। धोनी कहीं भी खेल रहे हों उन्हें देखने का क्रेज बरकरार रहता है। मगर, देखने की बात यही है कि वह कब तक खेलेंगे? लखनऊ में धोनी ने 26 रन ही बनाए लेकिन उनके बल्ले से निकले 4 चौके और एक छक्के से इकाना स्टेडियम रोमांचित हो गया।

इसी मुकाबले में लखनऊ टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने इस आईपीएल में पहली बार अर्धशतक बनाया। उनकी नाकामी से टीम पर दबाव पड़ रहा था। पंत की विफलता से टीम प्रबंधन चिंतित भी था।

कप्तान के असफल होने से टीम के मनोबल पर असर पड़ता है। उन्होंने 63 रनों की पारी खेली। हालांकि, अपनी टीम को जिता नहीं पाए। अभी तक खेले गए मैचों के हिसाब से पंत की टीम चौथे नंबर पर है। उसने 7 में से 4 मैच जीते हैं। वेस्ट इंडीज के निकोलस पूरन इस टीम के दमदार खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं।

दिल्ली की टीम नए कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अभी तक ऋषभ पंत दिल्ली के कप्तान थे। दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने 5 में से 4 मैच जीते हैं। गुजरात की टीम अभी चोटी पर है। शुभमन गिल की कप्तानी में इस टीम ने 6 में से 4 मैच जीते हैं। बेंगलुरू की टीम 6 में से 4 मैच जीत कर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। अभी आईपीएल में काफी मैच खेले जाने हैं। टीमें ऊपर नीचे हो सकती हैं। कई नए खिलाड़ी सामने आ रहे हैं। पंजाब के प्रियांश ने अपने पहले ही मैच में शतक लगाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

120 दिन में बदलेगी माओवादियों की लाइफ, ग्रुप सरेंडर पर इनाम दोगुना

लाइट मशीन गन लाने मे 5 लाख और एक-47 लाने पर 4 लाख मिलेंगे

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलियों को अब तक का सबसे बड़ा ऑफर दिया है। ऑफर का मकसद है कि वह नक्सलवाद छोड़कर सरेंडर करें और अपनी नॉर्मल जिंदगी जी सकें। सरकार ने यह भी स्कीम बना रखी है कि सिर्फ 120 दिन में माओवादियों की पूरी लाइफ बदली जा सके। उन्हें रोजगार, रहने के लिए जगह दी जा सके। पहली बार सरकार ने यह भी कहा है कि अगर नक्सली ग्रुप में सरेंडर करते हैं तो उन्हें उनपर जारी इनाम को दोगुना करके वही इनाम उन्हें दे दिया जाएगा। अगर बंदूकें लेकर नक्सली आते हैं तो और भी फायदे हैं। लाइट मशीन गन लाने पर 5 लाख और एक-47 लाने पर 4 लाख रुपए अलग से दिए जाएंगे और क्या-क्या फायदे नक्सलियों को देने का ऐलान सरकार ने किया है पढ़िए इस रिपोर्ट में। नई ग्रुप सरेंडर पॉलिसी के तहत नक्सली संगठन की किसी फॉर्मेशन इकाई के यदि 80 प्रतिशत या उससे अधिक सक्रिय सदस्य सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण करते हैं, तो उन्हें बड़ा फायदा मिलेगा। सरकार ने कहा है कि उनपर जारी इनाम डबल करके उन्हें दिया जाएगा। सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर जैसे अति नक्सल प्रभावित जिलों में यदि किसी ग्राम पंचायत क्षेत्र में सक्रिय समस्त नक्सली व मिलिशिया सदस्य आत्मसमर्पण करते हैं, और ग्राम पंचायत को नक्सल मुक्त घोषित किया जाता है, तो वहां 1 करोड़ रूपए के विकासात्मक कार्य स्वीकृत किए जाएंगे। नई नीति के तहत यदि पति-पत्नी दोनों आत्मसमर्पण करते हैं, तो उन्हें अलग-अलग युनिट मानते हुए पुनर्वास योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। सरेंडर करने के 10 दिनों के भीतर कलेक्टर सहायता राशि नक्सलियों को दिलवाएंगे। सरेंडर करने वाले नक्सली पर पहले से पुलिस ने केस दर्ज कर रखे हैं तो 6 माह तक के अच्छे आचरण को देखते हुए कैबिनेट में केस खत्म करने का फैसला सरकार ले सकती है। जंगलों में फोर्स से छुपकर उनपर हमला करने वाले या एनकाउंटर में मारे जाने वाले नक्सलियों का जीवन 120 दिन में सरकार बदलेगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी नई नक्सलवादी आत्मसमर्पण नीति 2025 में इसका बंदोबस्त किया है। नई नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को ट्रांजिट कैंप या पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा। यहां उन्हें उनकी रुचि के अनुसार किसी न किसी हुनर में प्रशिक्षित किया जाएगा। पढ़ाया भी जाएगा। इतना ही नहीं, तीन साल तक हर महीने 10,000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। आवास के लिए शहरी इलाके में प्लाट, ग्रामीण क्षेत्र में कृषि भूमि, स्वरोजगार और व्यवसाय से जुड़ने की योजनाओं से जोड़ा जाएगा। नक्सलियों के पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया 120 दिनों के भीतर पूरी करने का नियम तय किया गया है, ताकि नक्सली जल्द से जल्द समाज की मुख्यधारा में लौट सकें।यदि कोई सरेंडर नक्सली, नक्सलियों के लगाए बम कहां-कहां हैं ये बताता है तो उसे भी अलग इनाम मिलेगा। 15 से 25 हजार तक की अतिरिक्त राशि देने का नियम रखा गया है। बड़े हथियार डंप या विस्फोटक सामग्री पकड़वाने पर 1 लाख तक का इनाम मिलेगा।नक्सली जब जंगलों में फोर्स के खिलाफ भटक रहे होते हैं तो वो प्यार-शादी नहीं कर सकते। नक्सल संगठन का यही नियम है। मगर कुछ नक्सली होते हैं जो आपस में शादी करना चाहते हैं। इसलिए कई बार ऐसे नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। अब नए नियमों के तहत सरेंडर करने वाला जोड़ा यदि विवाह करने के इच्छुक हैं तो उसको एक लाख की विवाह अनुदान राशि भी दी जाएगी। सरकार शादी करवाने में मदद करेगी, सरकारी योजनाओं में जिंदगी आगे शुरू करने के लिए चीजें भी दी जाएंगी। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री-गृहमंत्री विजय शर्मा ने बताया-सरेंडर करने वाले नक्सलियों को तुरंत 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। माओवाद मुक्त पंचायत घोषित होते ही संबंधित ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रुपए की विकास निधि स्वीकृत की जाएगी। संबंधित गांवों को बस सेवा, मोबाइल नेटवर्क और बिजली कनेक्टिविटी से भी जोड़ा जाएगा।

इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक खातों की जांच

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा साइबर फ्राड के मामलों में इस्तेमाल आने वाले बैंक खातों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। अंबिकापुर गांधीनगर पुलिस ने एक म्यूल अकाउंट के धारक के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। प्रदेश स्तर पर साइबर सेल ऐसे अकाउंट की जानकारी जुटा रही है। जिनमें साइबर फ्राड का पैसा जमा हुआ है या इन खातों का इस्तेमाल साइबर फ्राड के मामलों में रकम जमा कराने में किया गया है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की तरफ से संचालित समन्वय पोर्टल (जेसीसीसी) की जांच में ऐसा ही एक खाता सरगुजा के स्टेट बैंक में पाया गया। जिसका उपयोग साइबर फ्राड के पैसे जमा करने में किया गया है। इसकी जानकारी पुलिस महानिरीक्षक, साइबर क्राइम रायपुर से सरगुजा एसपी को मिली थी। मामले में खाते से लेन-देन की जानकारी जुटाने के बाद FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने आईडीबीआई बैंक अंबिकापुर शाखा के खाता धारक नवानगर, जिला सरगुजा निवासी विनोद प्रधान के खिलाफ धारा 317(4),318 (2),61(2) का अपराध दर्ज किया है। उस खाता धारक के खाते में 6 बार में ठगी की रकम दो लाख 6962 रुपए का ट्रांजेक्शन होना पाया गया। इसकी शिकायत देश के अलग-अलग हिस्सों में की गई है। उस खाते का इस्तेमाल साइबर फ्राड के लिए किया जाना पाया गया है। गांधीनगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उक्त खाते का उपयोग ठगी में कैसे किया गया। म्यूल अकाउंट वे बैंक अकाउंट हैं, जिनमें साइबर फ्राड के मामलों में ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती है। बाद में इन खातों से रकम आहरित कर ली जाती है। कई मामलों में स्वयं खाता धारक किराए पर अपना अकाउंट ठगों को दे देते हैं। कुछ मामलों में खाता धारकों की जानकारी के बिना ही अकाउंट खोले गए हैं। सूरजपुर के रामानुजनगर थाने में भी म्यूल अकाउंट धारक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। म्यूल अकाउंट खाता धारक ओम प्रकाश साहू के एक्सिस बैंक खाते में साइबर फ्राड की रकम तीन बार जमा हुई है। एक्सिस बैंक शाखा रामानुजनगर जिला सूरजपुर से उक्त अकाउंट का ट्रांजेक्शन डिटेल निकाला गया है।

बिलासपुर के कालिंदी इस्पात में मजदूर की मौत

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर.कालिंदी इस्पात में मजदूर की हादसे में मौत हो गई। बिना सेफ्टी बेल्ट के काम कर रहा मजदूर दूसरी माले से गिर गया। गीदपुरी निवासी झगरु धृतलहरे ने मौके पर दम तोड़ दिया। मंगलवार को परिजनों और मजदूरों ने प्लांट के गेट के सामने धरना दिया है। परिजनों ने 1 करोड़ मुआवजे की मांग की है। साथ ही पत्नी को पेंशन और बेटे को नौकरी की भी मांग की गई है। उन्होंने बताया कि प्लांट में सेफ्टी इंतजाम शून्य हैं, पहले भी ऐसे हादसे हो चुके हैं। प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक कालिंदी इस्पात में सोमवार को दोपहर 3 बजे हादसा हुआ। मजदूरों ने बताया कि वे बगैर सेफ्टी बेल्ट के काम कर रहे थे। प्लांट में सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट सहित सुरक्षा को लेकर किसी भी चीज की व्यवस्था नहीं है। इससे पहले भी 2 हादसे हो चुके हैं। एक मजदूर का अंगूठा कट गया। पहले भी 19 बिंदुओं को लेकर धरना किया गया था, लेकिन प्रबंधन ने अभी तक संज्ञान नहीं लिया। मृतक के 2 लड़का और एक लड़की है। परिजनों ने मुआवजे, पेंशन और नौकरी की मांग की है। राजस्व विभाग के तहसीलदार प्रकाश साहू, नायब तहसीलदार अप्रतिम पांडे और पचपेड़ी थाना प्रभारी श्रवण कुमार टंडन पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

रायपुर में 52 लाख की चांदी की सिल्ली पकड़ाई

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर. छत्तीसगढ़ के रायपुर में 52 लाख रुपए की चांदी की सिल्ली पकड़ाई है। इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी सवार दो युवक चांदी को बैग में भरकर ले जा रहे थे। पुलिस ने दोनों युवक को चेकिंग में रुकवाया, तो उनके पास से चांदी बरामद हुई। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने अनुसार, महाराष्ट्र के सांगली जिले के रहने वाले ओंकार जाधव और सोलापुर जिले के रहने वाले अजय गेदसे को पकड़ा गया है। बताया जा रहा है कि, ये चांदी किसी ज्वेलर्स की है। इन सिल्लियों को गलाकर गहने बनाने के लिए मंगवाया गया था।खमतराई थाना प्रभारी सचिन सिंह के मुताबिक, मंगलवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि, दो युवक चांदी की सिल्ली रखे हैं। वो इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी में मेटल पार्क उरला से खमतराई की ओर आ रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए भनपुरी चौक पर नाकेबंदी पॉइंट लगाया। जब स्कूटी सवार वहां पर पहुंचे। तब पुलिस ने गाड़ी रुकवा कर जांच की। आरोपियों के पास रखे बैग में पुलिस को 115 नग चांदी की सिल्ली मिली। पुलिस के मुताबिक, 56 किलो 300 ग्राम चांदी की कीमत 52 लाख रुपए है। पुलिस ने जब दोनों युवकों से बिल मांगा तो उनके पास बिल नहीं था। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर समेत चांदी की सिल्ली को जब्त कर लिया। इस मामले में पुलिस का कहना है कि, दोनों युवक से पूछताछ की जा रही है।

बिलासपुर सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मुस्लिम धर्म अपनाने ब्रेन वॉश किया, विरोध करने पर डराया-धमकाया

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 155 हिंदू छात्रों को जबरन नमाज पढ़ाने का मामला सामने आया है। छात्रों ने बताया कि गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी की तरफ से ह्स्स्-कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें 159 छात्र शामिल हुए थे, इसमें 4 मुस्लिम भी थे। कैंप के दौरान बीच में ईद पड़ा। इस दौरान कैंप के प्रोग्राम ऑफिसर ने सभी छात्रों को भी बुलवाया और नमाज पढ़ाया। छात्रों ने आरोप लगाया कि कैंप में छात्रों को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए यह तरीका अपनाया गया था। इस बहाने उनका ब्रेन वॉश भी किया गया। छात्रों के मुताबिक, विरोध करने पर उन्हें धमकी और सर्टिफिकेट नहीं देने की चेतावनी भी दी गई। इस मामले की शिकायत कोनी थाने में की है और प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. बसंत कुमार, कोआर्डिनेटर दिलीप झा सहित अन्य स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छात्रों ने बताया कि सेंट्रल यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से कोटा ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र शिवतराई में 26 मार्च से 1 अप्रैल तक कैंप लगा था, वहीं नमाज पढ़वाया गया है। छात्रों ने अपनी शिकायत में बताया है कि जब एनएसएस कैंप में रोज सुबह योगा क्लास लगाया जाता था, तब वहां हिंदू छात्रों को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया जाता था। छात्रों ने नमाज पढ़ने का विरोध भी किया। लेकिन, प्रोग्राम ऑफिसर और कोआर्डिनेटर उन्हें डराते-धमकाते रहे और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के साथ ही सर्टिफिकेट नहीं देने की चेतावनी देते रहे। छात्रों ने बताया कि बाकी दिनों की तरह एनएसएस कैंप में सुबह 6.5 से 7.00 बजे योग करने छात्र एकत्रित हुए, जिसमें कुल 159 छात्र कैंप में थे। इसमें 4 छात्र मुस्लिम थे। 31 मार्च को मुसलमानों का त्योहार ईद उल फितर था अचानक से कोऑर्डिनेटर ने चारों मुस्लिम छात्रों को मंच पर बुलाया और बाकी छात्रों को मुस्लिम छात्रों द्वारा जो मंच पर नमाज अदा करने की प्रक्रिया की गई और उसका जस का तस दोहराने और सीखने का आदेश दिया।

तथ्य जुटा रही पुलिस

कोनी थाना टीआई लखेश्वर केंवट ने बताया कि यूनिवर्सिटी के छात्रों ने शिकायत कर ह्स्स् कैम्प में नमाज पढ़ाने का आरोप लगाया, जिसकी जांच की जा रही है। मामले में यूनिवर्सिटी प्रबंधन से भी जानकारी लेकर तथ्य जुटाए जा रहे हैं। अपराध घटित होना पाए जाने पर केस दर्ज किया जाएगा।

छात्रों का मोबाइल कराया जमा...

छात्रों ने बताया कि एनएसएस कैंप के दौरान उनका मोबाइल जमा करा लिया गया था, ताकि वो इसका वीडियो-फोटो न बना सके। यही वजह है कि उनके पास इस घटना का कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। इस दौरान छात्रों को नमाज पढ़ने के तरीके सिखाए गए। गुरु घासीदास सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी की मीडिया प्रभारी रूह त्रिपाठी ने बताया कि यूनिवर्सिटी को इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। मीडिया से जानकारी मिली है, जिसकी जांच और सच्चाई का पता लगाने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की गई है।

पैसों के विवाद में रायपुर रेलवे स्टेशन पर हुई चाकूबाजी

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर रेलवे स्टेशन पर चाकूबाजी की वारदात हुई है। बताया जा रहा है कि, दोस्त ने अपने ही दोस्त पर सब्जी काटने वाले चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में युवक बुरी तरह घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज जारी है। यह पूरा मामला जीआरपी थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार शाम की है। आरोपी लक्की यादव टिकरापारा रायपुर का रहने वाला है। वह अपने दोस्तों के साथ राजस्थान से कुछ महीने रोजी मजदूरी करके वापस लौटा था। उसका दोस्त शिवप्रसाद साहू मूल रूप से जांजगीर का रहने वाला है। शिव प्रसाद और अन्य लड़के ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।इसी दौरान रेलवे स्टेशन के बाहर लक्की यादव का शिवप्रसाद के साथ पैसों को लेकर बहसबाजी हो गया। जिसके बाद लक्की ने शिव प्रसाद के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। जब उसने गाली देने से मना किया तो उसने सब्जी वाले चाकू से उस पर हमला कर दिया। हमले में शिव प्रसाद बुरी तरह घायल हो गया। आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर झगड़े को शांत करवाया। इस मामले में जीआरपी पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही हैं।

शराब दुकान में नौकरी लगवाने 4.20 लाख की ठगी

जॉब लगी न पैसे वापस मिले,5 युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर नगर निगम की महापौर पूजा विधानी के कार्यकाल की आज पहली सामान्य सभा की बैठक हुई। जिसमें 1089 करोड़ का बजट पेश किया गया, जो पिछली सामान्य सभा के बजट से 38 करोड़ रुपए ज्यादा है। देवकीनंदन सभागार में बजट के दौरान भाजपा पार्षद भगवा गमछे पहने और मेयर पूजा विधानी बजट ब्रिफकेस साथ लेकर आईं। सामान्य सभा में मच्छरों और सीवरेज को लेकर जमकर हंगामा हुआ। मच्छर प्रकोप को लेकर सत्ता पक्ष के पार्षद ने सदन में सवाल उठाए। सीवरेज के अधूरे कामों पर भी नाराज़गी जताई। पीएम आवास योजना में हितग्राहियों को लाभ न मिलने का मामला भी गरमाया रहा। ऑनलाइन टैक्स भुगतान में आ रही दिक्कतों को लेकर भी बहस हुई। विपक्ष ने भी लार्वा कंट्रोल नहीं होने पर जमकर हंगामा किया। नई सरकार की इस पहली सामान्य सभा में शहर विकास के कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें नालंदा परिसर बनाने, सभी आठ जोन में पिंक टॉयलेट का निर्माण के साथ सड़क निर्माण और पेयजल समस्या दूर करने सहित अन्य योजनाएं शामिल हैं। कांग्रेस पार्षदों ने शहर के श्मशान घाटों के जीर्णोद्धार का प्रश्न उठाया। इस पर भाजपा पार्षद जय वाधवानी ने कहा कि बीजेपी ऐसा श्मशान घाट बनाएगी, जिसमें मुर्दे भी जिंदा हो जाएंगे। इस बात को लेकर के सदन में जमकर बवाल मचा और पार्षद के बाद बोलने पर कांग्रेस पार्षदों ने विरोध किया। मेयर पूजा विधानी ने कहा कि शहर विकास को ध्यान में रखकर एजेंडा बनाया गया है। वार्ड स्तर पर सड़कों का विस्तार, पेयजल की समस्या को हमेशा के लिए दूर करने के लिए ठोस निर्णय लिया जाएगा, जिसका लाभ शहरवासियों को मिलेगा। इसके साथ ही अन्य विकास कार्यों के लिए भी ठोस कदम उठाया जाएगा। ऐसे में इस सभा में लिए जाने वाले निर्णय जनकल्याण व शहर कल्याण करने वाला होगा।

कांग्रेस पार्षद लेंगे पड़ोसी वार्डों की जिम्मेदारी

सोमवार को कांग्रेस नेताओं ने पार्षदों की बैठक ली, जिसमें उन्हें कहा गया कि कांग्रेस पार्टी के पार्षदों की संख्या भले ही 18 है ,पर जज्बा में किसी से कम नहीं है। केवल काम करने की लगन होनी चाहिए। प्रत्येक पार्षद को अपने पड़ोसी वार्डों की जिम्मेदारी लेनी होगी और जब जब छाया पार्षद जो काम बोले उसे पूरा करें। यदि आयुक्त या महापौर भेदभाव पूर्ण व्यवहार करते हैं तो संगठन को सूचित करें। संगठन अपने स्तर पर काम करेगा।

सचिव मुकेश बंसल हटाए गए

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर. छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सेक्रेटरी मुकेश बंसल को सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव पद से हटा दिया गया है। उन्हें इस अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह आईएएस अफसर रजत कुमार को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है। वहीं, 6 जिलों के डिप्टी-अपर और जॉइंट कलेक्टर्स का भी ट्रांसफर किया गया है। आदेश स्पष्ट है कि मुकेश बंसल के पास वित्त विभाग के सचिव, सामान्य वाणिज्य कर आबकारी विभाग के सचिव और मुख्यमंत्री के सचिव की जिम्मेदारी पहले की तरह रहेगी। रजत कुमार के पास वाणिज्य एवं उद्योग और सार्वजनिक उपक्रम विभाग के सचिव और वाणिज्य एवं उद्योग रेल परियोजना विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार है। अब अतिरिक्त जिम्मेदारी भी मिली है। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विनायक शर्मा को मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर का अपर कलेक्टर बनाया गया है। ममता यादव को बिलासपुर संयुक्त कलेक्टर। माधुरी सोम ठाकुर को कोरबा संयुक्त कलेक्टर। स्निग्धा तिवारी को जांजगीर चांपा संयुक्त कलेक्टर। अशोक कुमार मार्बल सारंगढ़ बिलाईगढ़ डिप्टी कलेक्टर। गीता रायस्त को बस्तर संभागीय आयुक्त दफ्तर में उपायुक्त बनाया गया है।

बिलासपुर में सुशासन तिहार में आए रिकॉर्ड आवेदन

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बिलासपुर जिले में सुशासन तिहार के दौरान मांग और शिकायतों के लिए रिकॉर्ड 1.94 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें सर्वाधिक 53 हजार आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े हैं। कलेक्टर अवनीश शरण ने टीएल बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी आवेदनों का गंभीरता से अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सचिवालय इस अभियान की निगरानी कर रहा है। सभी आवेदनों का 15 दिनों के भीतर निराकरण करना है। जिले में कुल प्राप्त आवेदनों में से 1.81 लाख ग्रामीण क्षेत्र से और 13 हजार शहरी क्षेत्र से हैं। विकासखंडवार देखें तो मस्तूरी से सर्वाधिक 54,985 आवेदन मिले हैं। बिल्हा से 49,685, तखतपुर से 48,878 और कोटा से 27,981 आवेदन प्राप्त हुए हैं। बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र से सबसे कम 9,623 आवेदन मिले हैं। 5 मई से 31 मई तक पंचायत समूहों में समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में आवेदनों के निराकरण की स्थिति से जनता को अवगत कराया जाएगा। सभी विभागों को शिकायतों की हार्ड कॉपी उपलब्ध कराई जाएगी और इसकी पावती भी रखी जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि शिकायतों की जांच आवेदकों को विश्वास में लेकर की जाए। यदि आवेदक उपलब्ध न हों तो उन्हें फोन पर सूचित किया जाए। कुछ शिकायतों का निराकरण कार्यालय स्तर पर होगा, जबकि कुछ के लिए फील्ड विजिट की आवश्यकता होगी। योजनावार आवेदनों में सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए रिकार्ड 53 हजार 383 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उज्ज्वला योजना के 4886, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 2631, राशन कार्ड 2306, स्वच्छता 2295, राहत 1910, अतिक्रमण 1619, वृद्धावस्था सहायता 1536, सीमांकन बटवारा 1464, भूमि सुधार 1018, ट्रांसफॉर्मर और खम्भों की मांग, 935, आंगनबाड़ी भवन और केन्द्र 918, भूमि की मांग 776, हैण्डपंप की मांग 690, ऋण पुस्तिका की मांग 578, वन अधिकार पट्टे की शिकायत 424 सहित अन्य कई विभागीय मांग शामिल हैं। कलेक्टर ने बताया कि कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तर का मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है। यह बायोमेट्रिक से एडवांस स्तर का होगा। चेम्बर में अपने टेबल पर बैठेंगे तभी यह रीड करेगा। जिनके अंगूठे की रेखाएं घिस गई हों तो फेस रिकग्निशन तकनीक से यह पकड़ लेगा। इसमें गड़बड़ी की आशंका नहीं रहेगी। ये ऐप कार्यालय के 10 मीटर से बाहर काम नहीं करेगा, इसलिए घर पर बैठकर कोई इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएगा।

कंटेनर से टकराने के बाद एक की मौके

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

कोरिया जिले में सुशासन तिहार के पहले चरण को जनता से भारी समर्थन मिला है। 8 से 11 अप्रैल तक चले इस कार्यक्रम में करीब 62 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत से सबसे ज्यादा 49 हजार आवेदन मिले हैं। सोनहत से 10,300 और नगर पालिका बैकुण्ठपुर, शिवपुर-चरचा व नगर पंचायत पटना से करीब 2,100 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा 3,300 आवेदन ऑनलाइन माध्यम से मिले हैं।डॉ. चतुर्वेदी ने सभी विभागीय अधिकारियों को आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री एक सप्ताह में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। कम्प्यूटर ऑपरेटरों के माध्यम से विभागवार एंट्री कराई जाएगी। अधिकारियों को इस कार्य की सतत निगरानी का भी निर्देश दिया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि आवेदनों की एंट्री के साथ-साथ उनका त्वरित निराकरण भी जरूरी है। आवेदकों को कार्रवाई की जानकारी भी दी जाएगी। जिन आवेदनों का निराकरण जिला स्तर पर संभव नहीं है, उनकी जानकारी शासन और संचालनालय को दी जाएगी। अपूर्ण आवेदनों के लिए संबंधित आवेदकों से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज मंगवाए जाएंगे। डॉ. चतुर्वेदी ने सुशासन तिहार को राज्य शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल बताते हुए सभी अधिकारियों से गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ काम करने को कहा है।

यूपी, राजस्थान समेत 7 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

नई दिल्ली। तमिलनाडु के तिरुनेलवेल्ली जिले में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण अरुलमिगु शिवसैलानाथर मंदिर में रथ उत्सव में रुकावट आई। कुछ दिनों की आंधी-बारिश के बाद मौसम ने करवट ली है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, कल 15 अप्रैल से राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हीटवेव चलने की संभावना है। इससे तापमान 3-5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने आज सोमवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 22 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। झारखंड के कुछ इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं, जबकि ओडिशा में बिजली गिरने की आशंका है। राजस्थान-तेलंगाना के कुछ इलाकों में हीटवेव और गुजरात में उमस भरी गर्मी हो सकती है। राजस्थान के पश्चिमी जिलों में आज से हीटवेव का नया दौर शुरू होगा। तापमान में 6 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। जोधपुर, बीकानेर और शेखावाटी संभाग में भीषण लू चलने की आशंका है। इस दौरान पाकिस्तान बॉर्डर के लगे इलाकों में तापमान 46 डिग्री तक जा सकता है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को फिर से 40 डिग्री की गर्मी का सामना करना होगा। बीते दिनों आंधी-बारिश से तापमान गिर गया था। सोमवार को तापमान 39 डिग्री के आसपास रहेगा, जबकि मंगलवार को 40 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। 16 से 18 अप्रैल तक दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी का यलो अलर्ट है।

गुजरात में 1800 करोड़ की 300 किलो ड्रग्स जब्त

नई दिल्ली। गुजरात में इंडियन कोस्ट गार्ड ने 300 किलो ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपए बताई जा रही है। जब्त ड्रग्स मेथामफेटामाइन हो सकता है। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड और कोस्ट गार्ड ने 12-13 अप्रैल की रात ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत पोरबंदर से 190 किमी दूर समुद्र से ड्रग्स की खेप को पकड़ा है। गुजरात एटीएस से मिली जानकारी के बाद कोस्ट गार्ड ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा की ओर सर्च के लिए जहाज भेजा था। अंधेरे के बीच कोस्ट गार्ड की टीम ने एक बोट को स्पॉट किया। बोट सवारों से पहचान बताने को कहा। इससे घबराए तस्करों ने ड्रग्स को समुद्र में फेंका और अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भाग निकले। कोस्ट गार्ड टीम ने समुद्र में फेंकी गई ड्रग्स को रेस्क्यू बोट की मदद से बाहर निकाला। बोट का कनेक्शन पाकिस्तान से होने की आशंका है। फिलहाल जांच के लिए जब्त की गई ड्रग्स को पोरबंदर में एटीएस को सौंप दिया गया है।

सलमान को फिर मिली धमकी घर में घुसकर मारेंगे, कार बम से उड़ाएंगे

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को फिर एक बार जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई के वर्ली स्थित ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में अज्ञात शख्स ने वॉट्सएप मैसेज कर सलमान खान की कार को बम से उड़ाने की बात कही। रविवार देर रात भेजे गए इस मैसेज में लिखा है- हम सलमान खान को घर में घुसकर मारेंगे।

मुंबई की वर्ली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय

मुख्यमंत्री ने प्रोफेसर्स और छात्रों को भारतीय संविधान में आस्था रखने की शपथ दिलायी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आज भारतीय संविधान सभा के फाइनल प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती है, जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत को आजादी एक दिन में नहीं मिली। इसके लिये हमें वर्षों संघर्ष करना पड़ा। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी से लेकर कई क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर वर्षों की गुलामी की बेड़ियों से देश को आजाद कराया। भारत का संघर्ष काल एक हजार वर्ष से भी अधिक पुराना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को इंदौर में डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती एवं भारतीय संविधान सभा के 75 वर्ष पूर्ण होने पर इंदौर के रवीन्द्र नाट्यगृह में आम नागरिक शपथ

विधि समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान की लोकतांत्रिक परम्पराएं, राष्ट्र की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी। छात्रों ने ''मेरा संविधान-मेरा भारत'' के उदघोष लगाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्रों और प्रोफेसर्स के साथ संविधान विषय पर संवाद किया।

समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, डॉ. महेन्द्र सिंह, विधायक श्री मधु वर्मा और श्री रमेश मेंदोला, श्री अक्षय कांति बम, श्री सुमित मिश्रा, श्री नरेन्द्र सलूजा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश,हत्या

हुबली। कर्नाटक में 5 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, फिर उसकी हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने रविवार रात एनकाउंटर में मार गिराया। मुठभेड़ में एक सब इंस्पेक्टर समेत 3 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। घटना हुबली की है। आरोपी ने दिन में बच्ची को उसके घर के पास से ही अगवा किया था। वह उसे एक सुनसान जगह बने शेड में ले गया। यहां रेप की कोशिश की। बच्ची की चीख सुनकर लोग इकट्ठा हो गए। घबराकर आरोपी ने गला घोंटकर बच्ची की हत्या कर दी और फरार हो गया। कुछ ही घंटों में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

हुबली पुलिस कमिश्नर

तेलंगाना ने एससी आरक्षण को तीन ग्रुप में बांटा

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को अनुसूचित जाति के आरक्षण में बदलाव करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश में स्ट समुदाय को तीन भागों में बांटा गया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस आदेश की जानकारी जल संसाधन मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए दी। उन्होंने बताया- तेलंगाना सरकार ने अक्टूबर 2024 में हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक कमीशन का गठन

किया था। इस कमीशन ने एससी समुदाय की 59 जातियों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में 15 प्रतिशत के कुल आरक्षण के लिए तीन वर्गों में बांटने की सिफारिश की थी। इस कानून को लागू करने से पहले रविवार को सचिवालय में कैबिनेट की अंतिम बैठक हुई। सिफारिश को 8 अप्रैल को तेलंगाना के राज्यपाल की मंजूरी मिली थी। जिसके बाद इसे इसे 14अप्रैल को इसे लागू किया गया है। स्ट वर्ग को पहले की तरह 15त्न ही आरक्षण मिलेगा, लेकिन अब इसे अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा- अगर 2026 की जनगणना में एससी की जनसंख्या बढ़ती है, तो आरक्षण भी बढ़ाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त 2024 को राज्यों को इस तरह के वर्गीकरण के लिए मंजूरी दी थी।

आतंकी तहव्वुर से रोज 10 घंटे पूछताछ कर रही एएनआई

नई दिल्ली। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को ह्द्ध की पूछताछ में एक कर्मचारी बी का नाम आया है, इसने राणा के कहने पर हेडली के लिए ऑपरेशन और लॉजिस्टिक में मदद की थी। 2008 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से राष्ट्रीय जांच एजेंसी सोमवार को चौथे दिन पूछताछ जारी है। मुख्य जांच अधिकारी जया रॉय के नेतृत्व में एएनआई के अधिकारियों की एक टीम राणा से रोज 8 से 10 घंटे तक पूछताछ कर रही है। सूत्रों का कहना है कि पूछताछ के दौरान राणा सहयोग भी कर रहा है। पिछले 4 दिन में राणा ने केवल तीन चीजें मांगी हैं - एक कलम, कागज या नोटपैड और कुरान। ये तीनों उसे दिए गए हैं। हालांकि उसने अभी तक किसी खास तरह के खाने की मांग नहीं की है। इसलिए उसे स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल के मुताबिक दूसरे आरोपियों को दिया जाने वाला खाना मिल रहा है। राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में आतंकवाद विरोधी एजेंसी के हेडक्वॉर्टर के अंदर एक हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। यहां चौबीसों घंटे सुरक्षाकर्मी उसकी निगरानी करते हैं। 10 अप्रैल को तहव्वुर को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

इसके बाद उसे 18 दिन की

वक्फ कानून पर हिंसा-24 परगना में पुलिस की गाड़ियां जलाई

मुर्शिदाबाद। दक्षिण 24 परगना के शोणपुर इलाके में पुलिस से झड़प के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों में आग लगा दी। पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा के बाद अब 24 परगना में प्रदर्शनकारियों और पुलिस की झड़प हुई। बसंती हाईवे पर बैरमपुर में पुलिस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट के कार्यकर्ताओं को लेकर जा रही एक गाड़ी को रोका, जिससे अशांति फैल गई। दरअसल, भांगर, मिनाखा, संदेशखाली से आईएसएफ कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान सुबह 10 बजे हाईवे जाम कर दिया था। रामलीला मैदान जा रहे कार्यकर्ताओं ने पुलिस को घेर लिया। इन्हें तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हाईवे पर हालात काबू में आ गए, लेकिन उग्र भीड़ ने शोणपुर में पुलिस की 5 बाइक में तोड़फोड़ की

और उनमें आग लगा दी। कैदियों को ले जाने वाली वैन को पलटा दिया और उसमें भी तोड़फोड़ की। ये कार्यकर्ता इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी के कहने पर कोलकाता के रामलीला मैदान में होने वाली जनसभा में शामिल होने जा रहे थे। जनसभा के दोरान नौशाद ने ये आरोप

प्रताप सिंह बाजवा को मिली एफआईआर की कॉपी

चंडीगढ। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू के बाद मुश्किलों में घिर गए हैं। मोहाली के स्टेट साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बाजवा के खिलाफ बीएनएस की धारा 197 (1) (डी) और 353 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, पुलिस ने उन्हें आज दोपहर 12 बजे पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वह पेश नहीं हुए।

इसके बाद बाजवा के वकीलों ने मोहाली पहुंचकर पुलिस

अधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही कहा कि वह आज पेश नहीं हो सकते। ऐसे में उन्हें एक दिन का समय दिया जाए। वहीं, अधिकारियों ने इस पर सहमति जताई।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 8 मरे

बेंगलुरु। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले की एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को आग लगने से धमाका हो गया। इससे फैक्ट्री में काम कर रहे आठ लोगों की जान चली गई। इसके अलावा सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। फायर ऑफिसर डी निरंजन रेड्डी ने बताया- हमें दोपहर करीब 1 बजे विस्फोट की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियां और 50 फायर फाइटर्स तुरंत मौके पर भेजे गए। इंसानी गलती की वजह से फैक्ट्री में विस्फोट होने की आशंका है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और गृह मंत्री बात करके विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। पूर्व सीएम ने कार्यकर्ताओं से मदद करने को कहा आंध्

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के मुखिया जगन मोहन रेड्डी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने राज्य सरकार से पीड़ितों और उनके परिवारों की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने पार्टी नेताओं को प्रभावित परिवारों से मिलने और जरूरी सहायता मुहैया कराने को कहा है।

जैन मुनियों पर लाठी-डंडे से हमला, लहूलुहान किया

जावद। नीमच जिले के सिंगोली थाना क्षेत्र में तीन जैन मुनियों पर छह बदमाशों ने हमला कर दिया। जैन मुनि विश्राम करने रविवार रात सिंगोली मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में रुके थे। रात करीब 12 बजे आरोपियों ने लूट के इरादे से लाठी और धारदार हथियार से हमला किया। घटना के बाद दो बदमाशों को तो लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। हमले में घायल मुनियों ने अस्पताल जाने से इनकार कर दिया, जिसके बाद सभी को जैन स्थानक भवन में रखा गया है। घटना के बाद जैन समाज की ओर से सिंगोली नगर बंद रखा गया। शाम को जैन समाज ने मौन जुलूस निकालकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं, पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों का जुलूस निकाला।

इस दौरान जैन समाज के लोग भी पहुंचे और आरोपियों को

मायावती ने 40 दिन बाद भतीजे आकाश को माफ किया

उत्तर प्रदेश। आकाश आनंद को उनकी बुआ और बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को माफ कर दिया। बसपा से निकाले जाने के 41वें दिन आकाश की फिर से पार्टी में एंट्री हो गई है। आकाश पार्टी से हटाए जाने से पहले नेशनल कोआर्डिनेटर और बसपा प्रमुख के उत्तराधिकारी थे। मायावती ने साफ कर दिया है कि जब तक वे स्वस्थ्य रहेंगी, किसी को भी उत्तराधिकारी नहीं बनाएंगी।

मायावती ने यह भी कहा- आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ की गलतियां माफी के लायक नहीं हैं। उन्होंने गुटबाजी और पार्टी विरोधी काम किए। आकाश के करियर को भी बर्बाद करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। माफी मिलने के दो घंटे पहले आकाश आनंद ने मायावती से सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। आकाश मायावती के सबसे छोटे भाई आनंद के बेटे हैं। मायावती ने उन्हें 15 महीने में 2 बार उत्तराधिकारी घोषित किया, लेकिन दोनों ही बार हटा दिया था।

3 मार्च को उन्हें पार्टी से

राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापित

अयोध्या। अयोध्या में सोमवार सुबह राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश की स्थापना की गई। कलश की पहले पूजा की गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ इसे मुख्य शिखर पर रखा गया। परकोटे और सप्त ऋषि मंदिरों की मूर्तियां आज जयपुर से अयोध्या पहुंच सकती हैं। राम मंदिर परिसर में लगने वाली सभी मूर्तियां 30 अप्रैल तक मंदिरों में रख दी जाएंगी। राम मंदिर की सुरक्षा के लिए 4 किमी लंबी दीवार बनाने का काम शुरू होगा। डेढ़ साल में ये दीवार बनकर तैयार होगी। राम मंदिर निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने ये जानकारी दी। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा- इंजीनियर इंडिया लिमिटेड राम मंदिर की सुरक्षा दीवार बनाएगी। दीवार की ऊंचाई और मोटाई कितनी होगी, इस पर फैसला लिया जा रहा है। मिट्टी की जांच के बाद निर्माण शुरू किया जाएगा।

कांग्रेस विधायक इंदिरा मीना ने भाजपा नेता से की मारपीट

सवाई माधोपुर। सवाईमाधोपुर के बौंली में अंबेडकर प्रतिमा पर नाम की पट्टिका लगाने को लेकर विवाद हो गया। बामनवास से कांग्रेस विधायक इंदिरा मीना ने बौंली भाजपा मंडल अध्यक्ष हनुमत दीक्षित से हाथापाई की। कॉलर पकड़कर खींचा और शर्ट फाड़ दी। धमकाते हुए बोलीं- बीजेपी है तो क्या गुंडाराज हो गया क्या ? जब एसडीएम ने कहा- इस मामले को दिखवाएंगे और ये लोकार्पण है, तो विधायक भड़क गई। वह बोलीं-तुमने भी दारू पी रखी है क्या ? मामला रविवार रात 2 बजे का है। करीब 2 घंटे तक ये पूरा विवाद चला। मामल बढ़ता देख एसडीएम चंद्र प्रकाश वर्मा, एएसपी नीलकमल, एसएचओ राधा रमन गुप्ता मौके पर पहुंचे और दोनों ही पक्षों से समझाइश की। अभी दोनों पट्टियों को सुरक्षित जगह पर रखा गया है।

दरअसल, बौंली में 2 साल पहले बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण हुआ था। यहां पीडब्ल्यूडी की ओर से चौराहे का निर्माण करवाया जा रहा है।

दो साल पहले बामनवास विधायक इंदिरा मीना की ओर

पहली बार 6 महिलाएं अंतरिक्ष की सैर कर लौटीं

टेक्सास। मशहूर हॉलीवुड सिंगर कैटी पेरी, अमेरिकी बिलिनेयर जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज की अंतरिक्ष की सैर पर रवाना हो गई है। उनका स्पेस मिशन शाम 7 बजकर 2 मिनट पर लॉन्च हुआ।

इस यात्रा में उनके साथ चार और महिलाएं भी गई हैं। इनमें टीवी प्रजेंटर गेल किंग, मानवाधिकार कार्यकर्ता अमांडा गुयेन, फिल्म निर्माता केरियन फ्लिन और नासा की पूर्व रॉकेट साइंटिस्ट आइशा बोवे शामिल हैं। खास बात ये है कि 1963 के बाद अंतरिक्ष यात्रा पर जाने वाला ये पहला ऑल विमेन क्रू है। 1963 में रूसी इंजीनियर वेलेंटिना तेरेश्कोवा ने अकेले अंतरिक्ष की यात्रा की थी। जेफ बेजोस की ब्लू ओरिजिन कंपनी का रॉकेट इस क्रू को अंतरिक्ष लेकर गया है। ये यात्रा 11 मिनट की होगी। यह मिशन ब्लू ओरिजिन के न्यू शेपर्ड प्रोग्राम का हिस्सा है, जिसे एनएस-31 नाम दिया गया है।

अभिषेक की पारी देखकर हैरान हुए युवराज

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आतिशी पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। अभिषेष ने इस सत्र में शुरुआती मैच में असफल होने के बाद 141 रनों की शतकीय पारी के साथ जबरदस्त वापसी कर अपनी टीम को जीत दिलाया है। युवराज अभिषेक के मेंटोर रहे हैं, ऐसे में अपने शिष्य की इस पारी को देखकर वह खुश होने के साथ ही हैरान भी हैं। अभिषेक ने अपनी इस पारी में केवल 55 गेंदों पर ही 141 रन बना दिये थे। युवराज ने अभिषेक की पारी के बाद सोशल मीडिया पर लिखा, वाह शर्मा जी के बेटे। 98 पर सिंगल फिर 99 पर सिंगल।

इतनी परिपक्वता हजम नहीं हो रही । शानदार पारी खेली, देखने में आनंद आया। इस मैच में अभिषेक लकी रहे थे क्योंकि उन्हें पारी के चौथे ओवर में ही यश ठाकुर की चौथी गेंद पर ही शशांक ने कैच किया था पर यह गेंद नो बाल हो गई थी। तब इस बल्लेबाज ने पचास रन भी नहीं बनाये थे। इस मौके का अभिषेक ने पूरा लाभ अठाया और एक नया रिकार्ड बना दिया।

हेड बोले, स्टोइनिस और मैक्सवेल से विवाद नहीं मामूली हंसी मजाक हुआ

हैदराबाद। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हुए मुकाबले में तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ट्रेविस हैड, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल के बीच बहस हुई थी। इसी को हेड ने अब सामान्य बात बताया है। इस मैच में अभिषेक शर्मा की 141 रनों की आक्रामक पारी से सनराइजर्स ने पंजाब किंग्स पर जीत हासिल की। मैच में हेड की मैक्सवेल और स्टोइनिस के साथ नौवें ओवर में बहस पर हो गयी थी। इस पारी के नौवें ओवर के दौरान मैक्सवेल को गेंदबाजी कर रहे थे। ऐसे में ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर ही हेड ने मैक्सवेल पर लगातार जो छक्के लगा दिये। इससे मैक्सवेल परेशान हो गये। इसके बाद मैक्सवेल ने हेड को कुछ कह दिया। ओवर पूरा होने के बाद हेड ने इसपर नाराजगी जतायी। इसे बाद हेड और मैक्सवेल में बहस होने लगी। जब ये बढ़ती गयी तो अंपायर ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद स्टोइनिस भी बीच में आ गये जिससे एक बार फिर बहस होने लगी। वहीं मुकाबले के बाद हेड ने बहस को सामान्य बताने का प्रयास किया। इस सलामी बल्लेबाजी ने कहा ,'जब आप किसी को अच्छी तरह से जानते हैं तो आप एक-दूसरे की सबसे अच्छी और सबसे कठोर बातें कह देते हैं। इस बार भी मैच में ज्यादा गंभीर बात नहीं थी, बस थोड़ी हंसी-मजाक हो रही थी। साथ ही कहा कि हमें इस जीत की जरूरत थी जो हमने हासिल की।

बैशाखियों पर होने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे द्रविड़

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर और रॉजस्थान रॉयलस के कोच राहुल द्रविड़ पैर में चोट के बाद भी आजकल आईपीएल में अपनी जिम्मेदारी निभाते दिख रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हुए मुकाबले में भी वह बैशाखियों के सहारे मैदान पर पहुंचे और उन्होंने खिलाड़ियों से भी हाथ मिलाया हालांकि इससे पहले विराट कोहली ने उनसे आग्रह किया था कि वे ऐसी हालत में मैदान पर न जाएं पर द्रविड़ ने कोहली की भावुक अपील को मानने के बजाय खेल भावना को ऊपर रखा। वह मैदान पर गए और खिलाड़ियों से मिले। द्रविड़ के इस जज्बे ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। द्रविड़ को पैर में चोट बेंगलुरु में आईपीएल शुरू होने से पहले क्रिकेट खेलते समय लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह अपने टीम के अभ्यासा सत्र में भी पूरी पर मैदान पर रहे। राजस्थान और आरसीबी मैच से पहले कोहली और द्रविड़ की मुलाकात का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। इससे पहले हुए सीएसके के मैच में महेन्द्र सिंह धोनी सहित कई अन्य खिलाड़ियों ने भी द्रविड़ से मुलाकात की थी। द्रविड़ भारतीय टीम के पूर्व कप्तानी और कोच रहे हैं और सभी खिलाड़ी उनका बेहद सम्मान करते हैं।

सलीमा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी इंडिया इसी माह पांच मैच खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया ने इस दौरे के लिए पांच नये खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। भारतीय टीम इस दौरे में 26 अप्रैल से चार मई तक ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में खेलेगी। इस दौरे से नये खिलाड़ियों को भी अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम भारत इस दौरे में पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से खेलेगी और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगी। सभी पांच मैच पर्थ स्टेडियम में ही खेले जाएंगे।

इस दौरे से टीम को जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए भी अवसर मिलेगा। इस बार टीम में पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार शामिल किया गया है। इस प्रकार टीम में अनुभवी और नए खिलाड़ी दोनो ही शामिल हैं। टीम की कप्तानी जहां सलीमा टेटे के पास रहेगी। वहीं अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगी।

अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर रहेंगी जबकि रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं। मध्य पंक्ति की कमान कप्तान टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी पर होगी।

नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) तथा मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड) को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में रखा गया है।

टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि इस दौर से टीम को अपनी कमजोरियों को जानकर उन्हें दूर करने का अवसर मिलेगा। साथ ही कहा कि हमने संतुलित टीम का चयन किया है जो अनुभव और युवा खिलाड़ियों से भरी हुई है। इन खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और सीनियर शिविर में अपना कौशल दिखाया है।

ऋषभ के बिश्नोई को अंतिम ओवरों में गेंदबाजी नहीं देने पर उठे सवाल

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में अपने घरेल मैदान पर ही हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत के अंतिम ओवरों में अपने स्पिनर रवि बिश्नोई का इस्तेमाल नहीं करने पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस मैच में जब सीएसके को जब अंतिम 4 ओवरों में 44 रनों की जरूरत थी तो सुपर जाएंट्स के कप्तान के पास बिश्नोई का एक ओवर था पर उन्हें नहीं दिया गया जबकि इस स्पिनर ने अपने पहले 3 ओवर में ही केवल 18 रन देकर दो विकेट लिए थे। इसके बाद भी कप्तान ने उनकी जगह पर तेज गेंदबाजों -शार्दुल ठाकुर और आवेश खान को गेंदबाजी के लिए बुलाया और यही फैसला उन्हें भारी पड़ गया। मैच के

बाद कप्तान ने कहा कि उन्होंने बिश्नोई के इस्तेमाल के लिए कई खिलाड़ियों से चर्चा की थी पर ऐसा हो नहीं पाया। पावरप्ले में हम अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पायेहै हालांकि हम चीजों को वापस ला सकते हैं। एक टीम के तौर पर हम हर मैच से सकारात्मक चीजें लेना चाहते हैं और सुधार करने के प्रयास कर रहे हैं।

इस मैच में ऋषभ ने 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी पर उनका मानना है कि टीम ने 10-15 रन कम बनाए थे जिससे नुकसान हुआ। लखनऊ के कप्तान ने कहा, हमने 10 से 15 रन कम बनाये जबकि हमें साझेदारी बनाये रखनी थी। अगर हम 10 से 15 रन बनाने तो हालात अलग होते। मैं हर मैच के साथ बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन कभी-कभी यह काम नहीं आता।

धीरे-धीरे अपनी लय में आ रहा हूं, एक बार में हर मैच पर ध्यान दे रहा हूं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने कप्तान ऋषभ पंत के 63 रनों की सहायता से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 166 रन बोर्ड पर लगाए। वहीं सीएसके के लिए मथीक्षा पथिराना और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट चटकाए। 167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम की शुरुआत अच्छी रही थी पर उसने किस प्रकार से जीत हासिल कर ली।

गावस्कर ने पाटीदार के रवैये की प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार की जमकर प्रशंसा की है। गावस्कर ने कहा है कि पाटीदार ने काफी अच्छी कप्तानी की है। उनके सहज रवैए से टीम ने इस सत्र में अब तक अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। पाटीदार ने टीम में नया उत्साह जगह है जिससे वह बड़े हुए मनोबल से उतर रही है। इस बार आरसीबी ने 17 साल के बाद चेन्नई के चेपॉक में जीत हासिल करने के अलावा वानखेड़े स्टेडियम में भी जीत हासिल की है। वानखेड़े में ये जीत टीम को पिछले सत्रों में छह मैचों की हार के बाद मिली है।

गावस्कर ने कहा,''कप्तान के रूप में पाटीदार काफी कुशल हैं। उनकी टीम ने पिछले 17 साल में खिताब नहीं जीता है और अब उसके खिलाड़ी समझ रहे हैं कि जीतने के लिए क्या करना चाहियेहै। एक सहज और संयमित कप्तान के साथ टीम के साथ जुड़े अन्य खिलाड़ी भी अपनी ओर से सवश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं।'' गावस्कर ने टीम मेंटर दिनेश कार्तिक के कामकाज को भी सराहा। उन्होंने कहा, ''आरसीबी के पास कई अनुभवी लोग हैं जो हमेशा सहायता करने के लिए तैयार रहते हैं। उसके पास मजबूत सहयोगी स्टाफ है। उसके सहयोगी स्टाफ में कार्तिक जैसा व्यक्ति है जिसके प्रभाव को लेकर लोगों को अधिक जानकारी नहीं है।'' गावस्कर ने कहा,'' कार्तिक ऐसे मेंटर हैं जो युवा खिलाड़ियों के साथ समय बिताते हैंहै। उनका मार्गदर्शन करते है और उन्हें जरुरी सलाह देते हैं। । पाटीदार की को एक ऐसी टीम मिली है जो जीत चाहती है। '' साथ ही कहा कि अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहले के बड़े शॉट खेलने से भी काफी अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा, ''कोहली इस बार शुरू से ही लंबे शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं जबकि पहले वह अपनी पारी में बाद में इस तरह के शॉट खेलते थे।

आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम का आगे का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत होगी। भारतीय टीम इस बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में नहीं पहुंच पाई है इसलिए उसका लक्ष्य नये सत्र की अच्छी शुरुआत करना रहेगा। इसके अलावा भारतीय टीम 18 साल के अंतराल के बाद पटौदी ट्रॉफी भी जीतना चाहेगी क्योंकि 2021-22 में वे इसे बहुत कम अंतर से हार गए थे। यह सीरीज रेड-बॉल क्रिकेट में देश के लिए नई शुरुआत भी कर सकती है क्योंकि 2024-25 सीजन में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इसमें एक नया कप्तान टीम की कमान संभाल सकता है।

वहीं सफेद गेंद क्रिकेट में ध्यान टी20आई क्रिकेट पर रहेगा क्योंकि 2026 टी20 विश्व कप अगला आईसीसी टूर्नामेंट है। भारत का लक्ष्य इसमें अपने घरेलू मैदान पर अपने खिताब की रक्षा करना होगा। इस प्रतियोगिता की सह मेजबानी श्रीलंका भी करेगा। अगले 12 महीनों में, भारत नौ टेस्ट मैच और 12 वनडे मैच खेलेगा। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम एशिया कप और टी20 विश्व कप के मैचों के अलावा 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर 21 जून से 4 अगस्त 2025 के बीच 5 टेस्ट मैच खेलेगी। अगस्त में ही भारत को बांग्लादेश के दौरे पर 3 वनडे और इतने ही मुकाबलों की टी20 सीरीज खेलनी है। वहीं सितंबर 2025 में एशिया कप का आयोजन किया जाना है। वेस्टइंडीज की टीम 2 टेस्ट मैच खेलने अक्टूबर में भारत दौरा करेगी। इसके बाद टीम इंडिया अक्टूबर - नवंबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी. यहां 3 एकदिवसीय और 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी

मुझे आईपीएल में पुराने अनुभवों का लाभ मिला-करुण नायर

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में शानदार पारी खेलकर वापसी करने वाले करुण नायर ने कहा है कि उन्हें अपने पुराने अनुभवों का लाभ मिला। इसलिए उन्हें सत्र के पहले मैच में कोई परेशानी नहीं आई। इसका कारण है कि वह मानसिक रुप से खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है । करुण तीन साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे, ऐसे उनके प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रहीं थी। करुण ने 2022 में अंतिम बार आईपीएल खेला था। उसके बाद उन्हें अवसर नहीं मिला था हालांकि घरेलू क्रिकेट में इस बची उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। वापसी के अपने पहले ही मैच में करण ने अपनी 89 रनों की पारी से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान

उन्होंने जसप्रीत बुमराह जैसो गेंदबाज पर भी जमकर शॉट लगाये। एक ओवर में बुमराह पर दो छक्के लगाने की क्षमा सभी में नहीं होती पर करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए। इस कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ था।

करूण ने कहा, 'मुझे आईपीएल में पहले खेलने का लाभ मिला। इससे मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ भी नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी। वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं अपने से यही कह रहा था कि समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ। पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें भारोसा था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। उनका करियर भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। भारतीय टीम इंडिया से बाहर होने के बाद न उन्हें आईपीएल में मौका मिला और न ही घरेलू टीम कर्नाटक ने शामिल किया था। कर्नाटक टीम से बाहर होने के बाद करुण ने विदर्भ से रणजी और विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया। जिससे उन्हें आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया।

श्रेयस अय्यर बने आईसीसी के प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली। भारत के श्रेयस अय्यर ने दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए मार्च के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता। टूर्नामेंट में भारत के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले अय्यर ने मार्च में तीन मैचों में 172 रन बनाए, जिसमें न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ अंतिम लीग चरण के मुक़ाबले में 98 गेंदों पर 79 रन बनाना शामिल है, जब मेन इन ब्लूज़ ने शीर्ष तीन खिलाड़ियों को सस्ते में खो दिया था। अय्यर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ सेमीफाइनल में महत्वपूर्ण 45 रन बनाए और फिर कीवी के खिलाफ़ निर्णायक मैच में 62 गेंदों पर 48 रन बनाए।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अय्यर को साइलेंट हीरो करार दिया। दुबई में धीमी विकेटों पर बीच के ओवरों में स्पिन की धज्जियाँ उड़ाते हुए और खतरे को खत्म करते हुए अय्यर शीर्ष क्रम और मध्य तथा निचले

क्रम के बीच पुल बन गए। अय्यर ने आईसीसी की विज्ञप्ति में कहा, मार्च के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती एक ऐसा पल जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

अय्यर ने कहा, इतने बड़े मंच पर भारत की सफलता में योगदान देने में सक्षम होना कुछ ऐसा है जिसका हर क्रिकेटर सपना देखता है। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के प्रति उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। इस सीजन में अय्यर के लिए यह एक मुश्किल शुरुआत थी क्योंकि उन्हें भारत की लाइन-अप में जगह नहीं मिली थी और फरवरी में नागपुर में इंग्लैंड के खिलाफ पहला वनडे मैच उन्होंने इसलिए खेला क्योंकि विराट कोहली 100 प्रतिशत फिट नहीं थे, लेकिन उनकी 36 गेंदों में 59 रन की पारी ने टीम में उनकी जगह पक्की कर दी और भारत ने रोहित-शुभमन गिल की सलामी जोड़ी को वापस भेजा और अय्यर ने बाद में अंतिम दो मैचों में 44 और 78 रन बनाए।

जनसुनवाई में आमजनता के 68 आवेदन पत्रों में हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय तथा संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले ने आमजनता के 68 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जन सुनवाई में जमीन के सीमांकन, भू अर्जन, नामांतरण, उपचार सहायता, पेंशन भुगतान, जमीन से अवैध कब्जा हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न आवेदन पत्रों में सुनवाई की गई। जनसुनवाई में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में वंशगोपाल सिंह निवासी महसांव ने जमीन के सीमांकन के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम गुढ़ को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए। राजकरण सिंह निवासी अमिलकी ने उन्हें छठवें और सातवें वेतनमान का लाभ देने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने उप संचालक पशुपालन को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। जिला चिकित्सालय में आउटसोर्स संस्था कैपिटल इन्फोलाइन मार्केटिंग लिमिटेड में नर्स के रूप में कार्यरत सपना चौरसिया ने प्रसूति अवकाश के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने जिला श्रम पदाधिकारी को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जिला श्रम पदाधिकारी ने संस्था के संचालक से फोन पर निर्देश देकर प्रसूति अवकाश स्वीकृत कराया। संत प्रसाद चतुर्वेदी निवासी लक्ष्मणपुर ने सरकारी मार्ग से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। संतोष कुशवाहा निवासी मझगवां ने तहसीलदार द्वारा सीमांकन के संबंध में पारित आदेश का पालन कराने के लिए आवेदन

दिया। संयुक्त कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर को आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में सूरजदीन तिवारी निवासी पुरवा ने सीमांकन कराने, मनोज कुमार निवासी हटवा ने खसरे में सुधार तथा ऊषा देवी निवासी उमरी ने आम रास्ते से कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम सभाओं का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी विकासखंडों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय के निर्देशन पर ग्राम सभाओं में सभी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक, पंचायतों के सरपंच, सचिव, पंचायत सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं द्वारा सामाजिक पहलू से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा का आयोजन किया गया। ग्राम सभाओं में मुख्य रूप से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पर चर्चा की गई। ग्राम सभाओं में उपस्थितजनों को बताया कि अधिनियम के तहत बालिका का विवाह 18 वर्ष के बाद एवं बालक का विवाह 21 वर्ष के बाद किया जाना चाहिए। ये न केवल उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है बल्कि इससे समस्त समाज का उत्थान भी संभव है। ग्राम सभा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना पर भी चर्चा की गई। योजना पर चर्चा करते हुए बताया गया कि बिना बेटी के समाज का अस्तित्व अधूरा है और शिक्षित एवं सशक्त बेटी से ही सशक्त समाज की कल्पना की जा सकती है। समाज को सशक्त बनाने में स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के महत्व पर भी चर्चा की गई। ग्राम सभा में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से कुपोषण को अपने ग्राम पंचायत से दूर करने तथा कुपोषण मुक्त ग्राम बनाने के लिए ग्रामीणों ने शपथ ली।

युवा संगम कार्यक्रम 21 अप्रैल को आईटीआई में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के शासकीय आईटीआई रीवा में 21 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में जीएसएस आईएफएमएस प्रा. लि. जामनगर ए गुजरात, बैक्सी लिमिटेड नीमराना कोटा, टाटा मोटर ऑटो मोबाइल कंपनी गुजरात, ख्याति शील्ड वेन्टुरेज प्रा. लि. छत्तीसगढ, पेरेग्रीन गार्डिंग प्रा.लि. गुजरात, डी एण्ड एच सेचरोन कंपनी इंदौर, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रा. लि. पुणे तथा एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से कलेक्टर्स को दिए निर्देश

शासन की प्राथमिकता के कार्यों पर विशेष ध्यान दें, पेयजल व्यवस्था और गेंहू उपार्जन की मानीटरिंग करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी कलेक्टर शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य कराएं। इस अभियान में जनता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करके इसे जन-जन का अभियान बनाएं। जल संरक्षण से ही धरती पर मानव जीवन और समस्त जीवों के जीवन को सुरक्षा मिलेगी। इसकी कार्ययोजना में शामिल निर्माण कार्यों को एक सप्ताह में प्रशासकीय और तकनीकी स्वीकृति जारी कराकर उत्सव के माहौल में जल संरक्षण के कार्य कराएं। कमिश्नर ने कहा कि संभाग के मैहर और मऊगंज नवगठित जिले हैं। सभी प्रभारी अधिकारी इन जिलों का कम से कम दो दिन अनिवार्य रूप से भ्रमण करें।

कमिश्नर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए नियमित सुनवाई करके दो वर्ष से अधिक अवधि के सभी राजस्व प्रकरण तीन माह में निराकृत करें। सीमांकन के सभी प्रकरण एक माह की समय सीमा में निराकृत करें। पिछले दो माह में सभी जिलों में नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन के प्रकरण बड़ी संख्या में निराकृत किए गए हैं। बंटवारे के प्रकरणों के निराकरण में रीवा जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। लोक सेवा गारंटी में तय समय सीमा में राजस्व प्रकरणों के निराकरण न होने तथा साइबर तहसील में समय सीमा में रिपोर्ट दर्ज न होने पर जुर्माने की कार्यवाही करें। सीएम हेल्पलाइन में भी 50 दिन से अधिक समय से लंबित सभी प्रकरणों का सात दिवस में निराकरण कराएं। पिछले दो महीने में लंबित पेंशन प्रकरण बड़ी संख्या में निराकृत किए गए हैं। कलेक्टर पेंशन प्रकरणों के निराकरण की हर सप्ताह समीक्षा करें।

कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी जिलों में गेंहू का उपार्जन शुरू हो गया है। उपार्जन केन्द्रों में समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। राजस्व अधिकारी भी खरीदी केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। उपार्जित गेंहू के सुरक्षित भण्डारण तथा किसानों को तीन दिवस में भुगतान सुनिश्चित करें। कलेक्टर पेयजल व्यवस्था की भी सतत निगरानी करें। जिन क्षेत्रों में जल स्तर घटने से हैण्डपंप बंद हो गए हैं वहाँ सिंगल फेज मोटर की व्यवस्था करके पानी की आपूर्ति कराएं। पेयजल समस्यामूलक गांवों का चिन्हांकन करके उनमें पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करें। पीएचई विभाग के अधिकारी खराब हैण्डपंपों के सुधार और नलजल योजनाओं को सतत चालू रखने के लिए लगातार प्रयास करें। जिला और विकासखण्ड स्तर पर कंट्रोल रूम बनाकर पेयजल व्यवस्था की निगरानी करें। खाद्य सुरक्षा योजना के सभी हितग्राहियों का 30 अप्रैल तक ई केवाईसी सुनिश्चित करें। इसके साथ-साथ मृत और स्थाई रूप से पलायन करने वाले व्यक्तियों के नाम पृथक करने की कार्यवाही करें। अप्रैल माह के आवंटन का उठाव संतोषजनक नहीं है। नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी शत-प्रतिशत खाद्यान्न का उठाव करके तीन दिवस में उचित मूल्य दुकानों में भण्डारित कराएं। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। कलेक्टर खाद्यान्न वितरण की भी हर सप्ताह समीक्षा करें।

बैठक में कमिश्नर ने स्कूल चलें हम अभियान के तहत विद्यार्थियों के शाला प्रवेश, निःशुल्क पुस्तकों के वितरण, जल गंगा संवर्धन अभियान, वृक्षारोपण तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बैठक में शामिल कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल ने बताया कि पेयजल एवं गेंहू उपार्जन की सतत समीक्षा की जा रही है। जिले में गेंहू उपार्जन के लिए खरीदी केन्द्र शुरू हो गए हैं। हितग्राहियों का प्रतिदिन तीन से सात हजार तक ई केवाईसी कराई जा रही है। जिले में दो साल से अधिक के सभी राजस्व प्रकरण तीन माह में निराकृत कर दिए जाएंगे। बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल कलेक्टर सतना डॉ सतीश कुमार एस, कलेक्टर सीधी स्वरोचिष सोमवंशी, कलेक्टर सिंगरौली चंद्रशेखर शुक्ला, कलेक्टर मैहर रानी बाटड तथा कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी दी। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले तथा सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल की फीस 10 प्रतिशत से अधिक बढ़े तो करें शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में संचालित सभी निजी स्कूलों द्वारा ली जा रही फीस का नियमन मध्यप्रदेश निजी विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम 2017 के तहत किया जाना अनिवार्य है। स्कूल संचालक एक वर्ष में अधिकतम 10 प्रतिशत ही फीस वृद्धि कर सकते हैं। इससे अधिक फीस लेना अधिनियम की धारा चार की उपधारा एक का उल्लंघन होगा। यदि निजी स्कूल संचालक 10 प्रतिशत से अधिक फीस सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना बढ़ाते हैं तो इसकी लिखित शिकायत कलेक्ट्रेट कार्यालय में दर्ज कराएं। फीस के संबंध में अपनी शिकायत और आपत्तियाँ विद्यार्थी अथवा उनके अभिभावक तथा

आमजन कलेक्टर कार्यालय में दर्ज करा सकते हैं। इसे सात दिन की समय सीमा में दर्ज कराना आवश्यक होगा। शिकायतें प्राप्त करने के लिए संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे को जिम्मेदारी दी गई है। इन्हें कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष क्रमांक 20 अथवा मोबाइल नम्बर 9755137444 पर शिकायत प्रस्तुत की जा सकती है।

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन के लिए विशेष अभियान 17 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार संगठित व असंगठित क्षेत्रों के साथ-साथ सभी श्रेणियों के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी वितरण के लिए एक डेटाबेस ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है।

इस संबंध में श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया शासन द्वारा गिग/प्लेटफार्म वर्कस जैसे जोमेटो, स्विगी, ईंट श्योर, फूड पांडा, अमेजोन, फ्लिपकार्ट, बिग बॉस्केट, ग्रोफर, जेप्टों, ब्लिंकिट, बेस्ट प्राइस, मेट्रो, डी-मार्ट, ओला, उबर, जुगनू, रेपिडो आदि में कार्य करने वाले ऐसे कर्मचारियों को इस श्रेणी के श्रमिकों को संबल योजना से जोड़ा गया है। भारत सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग/प्लेटफार्म वर्कस को कवर करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की है। इसके अलावा उन्हें ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत किया जाएगा और पहचान पत्र प्रदान किए जाएंगे। गिग/प्लेटफार्म वर्कस के ई-श्रम पोर्टल तथा संबल पोर्टल पर पंजीयन के लिए 17 अप्रैल तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। पंजीयन आनलाइन लिंक के माध्यम से स्वयं रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले भर में हो रहे जल संरक्षण के कार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। पुराने जल स्त्रोतों तथा तालाबों की साफ-सफाई एवं सुधार के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ खेत तालाब निर्माण, हैण्डपंपों तथा कुओं में रिचार्ज पिट बनाने का कार्य प्रत्येक विकासखण्ड में किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि ग्राम पंचायत मऊ में खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। जनपद पंचायत जवा की ग्राम पंचायत जतरी में भी खेत तालाब का निर्माण किया जा रहा है। ग्राम तेंदुआ में तीन कूपों में रिचार्ज पिट का निर्माण किया गया है। यहाँ दो हैण्डपंपों में भी रिचार्ज पिट बनाए गए हैं। मऊगंज जिले की जनपद पंचायत मऊगंज के ग्राम पटपरा में उपयंत्री पवन गुप्ता की देखरेख में तीन ट्यूबवेलों में रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रीवा जिले की ग्राम पंचायत उसकी में महिला स्वसहायता समूहों ने गांव में जल संरक्षण जागरूकता रैली निकाली। इसके बाद महिलाओं ने तालाब की साफ-सफाई में श्रमदान किया। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बंजारी में भी जल संरक्षण रैली निकाली गई साथ ही खेत तालाब का निर्माण शुरू किया गया। ग्राम पंचायत जनकहाई में विनयशंकर मिश्रा के खेत में खेत तालाब का निर्माण शुरू किया गया।

ग्राम पंचायत बेलवा सुरसरी में महिला स्वसहायता समूहों ने जागरूकता रैली निकाली तथा महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। विकासखण्ड सिरमौर के ग्राम बेलवा में भी महिला स्वसहायता समूहों द्वारा संगोष्ठी एवं रैली का आयोजन किया गया। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत लौआ लक्ष्मणपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब की साफ-सफाई और गहरीकरण का कार्य किया गया है। जनपद पंचायत मऊगंज की ग्राम पंचायत पटपरा में उपयंत्री पवन गुप्ता ने ट्यूबवेल में रिचार्ज पिट का निर्माण शुरू कराया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बंदई में खेत तालाब का निर्माण कराया गया तथा ग्राम पंचायत चपगवां में रैली निकाली गई।

बाल गृह के बच्चों के देखरेख में सहयोग की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा रीवा जिले में बाल संप्रेक्षण गृह और हरि बाल गृह का संचालन किया जा रहा है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों के तहत इनमें अपचारी और निराश्रित बच्चों की देखभाल की जाती है। जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय ने बाल संप्रेक्षण गृह और बाल गृह में रह रहे बच्चों की देखभाल और उनके जीवन को नई दिशा देने में सहयोग की अपील की है।

पाण्डेय ने कहा है कि इन संस्थाओं में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, गणमान्य नागरिक, अधिकारी तथा कोई भी व्यक्ति सहयोग कर सकता है। यह सहयोग आर्थिक रूप में हो सकता है। इसके साथ-साथ इन बच्चों के साथ नियमित मुलाकात करके उनके साथ समय बिताना, खेलना, नैतिक शिक्षा देना, पढ़ाना, कम्प्यूटर का ज्ञान कराना, कला और संस्कृति की शिक्षा देना तथा कौशल विकास के लिए मार्गदर्शन के रूप में भी सहयोग दिया जा सकता है। इन बच्चों को नशामुक्ति का संदेश देने, मनोवैज्ञानिक सलाह तथा अन्य तरीके से भी जीवन की सही दिशा और खुशियों का मार्ग दिखाया जा सकता है। इन बच्चों के लिए किताबें, खेलकूद सामग्री, वाटर कूलर तथा कौशल उन्नयन का प्रशिक्षण देकर भी सहयोग किया जा सकता है। इस संबंध में अन्य जानकारियाँ जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय कलेक्ट्रेट रीवा से प्राप्त की जा सकती हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।